हरिभूमि खास

हरिभूमि रायपुर भूमि

- सुतल लोक में हुई शिवलिंग की उत्पत्ति, यहां स्वर्ण अर्थात हाट की प्रचुरता इसलिए कहलाए हाटकेश्वरनाथ

मंदिर बोर्ड से लेकर अन्य स्थानों में होगा नवीन नाम का जिक्र

600 वर्ष प्राचीन 'हटकेश्वरनाथ' अब कहलाएगा 'हाटकेश्वरनाथ'

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

महादेव घाट स्थित सैकड़ों वर्ष प्राचीन हटकेश्वरनाथ का नाम अब बदला जा रहा है। मंदिर बोर्ड से लेकर अन्य स्थानों पर अब हाटकेश्वरनाथ लिखा जाएगा। मंदिर प्रबंधन के मुताबिक, पूर्वजों द्वारा मंदिर को

हाटकेश्वरनाथ के नाम से ही पुकारा जाता रहा है। बाद में शब्दों का ▶▶|शेष पेज 13 पर

पूर्वज पुकारते थे हाटकेश्वरनाथ

कई पीढ़ी पहले हमारे पूर्वज हाटकेश्वरनाथ ही पुकारते थे। शब्द का स्वरूप बदलते हुए यह हटकेश्वरनाथ हो गया। अब इसे मूल स्वरूप में लाया जा रहा है।

- पं.सुरेश गिरी गोस्वामी
पुजारी, महादेव घाट

1402 ईस्वी में हाजीराज नाइक ने करवाया था निर्माण

ऐतिहासिक साक्ष्यों के अनुसार, 1402 ईसवीं में कल्चुरि राजा रामचंद्र के पुत्र ब्रह्मदेव राय के शासन काल में हाजीराज नाइक ने मंदिर का निर्माण कराया था। ऐसा भी कहा जाता है कि हजारों साल पहले मंदिर के किनारे सोने की बहुतायत थी जो समय के साथ लुप्त हो चुकी है। अन्य प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, खारुन नदी को द्वापर युग में द्वारकी नदी के नाम से जाना जाता था। कालांतर में महाकौशल प्रदेश के हैहयवंशी राजा ब्रह्मदेव जब नदी किनारे स्थित घनघोर जंगल में शिकार करने आए तब उन्हें नदी में बहता शिवलिंग नजर आया, जिसकी उन्होंने नदी किनारे स्थापना की थी।

खबर संक्षेप

किशोरी को आत्महत्या के लिए किया प्रेरित, तीन को कैद

रायपुर। आरंग थाना क्षेत्र में किशोरी को आत्महत्या करने के

लिए प्रेरित करने के आरोप में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अतुल कुमार श्रीवास्तव की कोर्ट ने करण देवांगन, ईशु मिरी तथा परमेश्वर चक्रधारी को 10-10 वर्ष कैद तथा दो-दो हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। लोक अभियोजक राघवेंद्र सिंह के मुताबिक किशोरी ने 17 मई 2020 को अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी की थी। करण तथा उसके साथी प्रेम प्रसंग की बात को लेकर किशोरी को प्रताड़ित करते थे।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

रायपुर। आमानाका थाना क्षेत्र में तीन वर्ष पूर्व हत्या के एक मामले में जिला सत्र न्यायाधीश अब्दुल जाहिद कुरैशी की कोर्ट ने रितिक सोना को उम्रकैद की सजा सुनाई है। लोक अभियोजक मनोज वर्मा के मुताबिक कोर्ट ने रितिक को खुचखुच तांडी उर्फ रिंकू की हत्या के आरोप में कैद की सजा सुनाई है। रितिक ने 12 सितंबर 2021 को खुचखुच की हत्या की थी। हत्या की वजह नुआ खाई के दौरान मृतक के बड़े भाई के साथ विवाद होना है। घटना दिनांक को खुचखुच अपने घर के पास नाच रहा था, इस दौरान धारदार हथियार से रितिक ने खुचखुच को मौत के घाट उतार दिया था।

टूटेजा सात दिन की ईओडब्लू की रिमांड पर

रायपुर। शराब घोटाला मामले में आरोपी बनाए गए पूर्व आईएएस अनिल टूटेजा से पूछताछ करने ईओडब्लू ने उन्हें सात दिनों की रिमांड पर लिया है। अनिल टूटेजा को रिमांड पर लेने जांच एजेंसी ने स्पेशल कोर्ट में आवेदन पेश किया था। टूटेजा की रिमांड मांगे जाने का बचाव पक्ष के वकील ने कोर्ट में दलील पेश की। जांच एजेंसी ने कोर्ट को बताया है कि जांच में मिले साक्ष्य के आधार पर अनिल टूटेजा से पूछताछ करनी है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद टूटेजा को रिमांड पर देने का फैसला सुनाया। टूटेजा को 27 अगस्त को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

नाबालिग के कब्जे से चोरी की आठ बाइक जब्त

रायपुर। मंदिर हसौद तथा क्राइम ब्रांच पुलिस की टीम ने एक नाबालिग को दोपहिया वाहन चोरी के आरोप मे गिरफ्तार किया है। नाबालिग के कब्जे से पुलिस ने चोरी की आठ दोपहिया जब्त की है। जब्त वाहन की कीमत चार लाख रुपए है। पुलिस के मुताबिक नाबालिग को रात्रि गश्त के दौरान संदिग्ध हालत में बाइक में घूमते पकड़ा गया है। नाबालिग चोरी की नीयत से रात में घूम रहा था। पूछताछ करने पर नाबालिग गोलमोल जवाब दे रहा था। संदेह के आधार पर नाबालिग को थाना लाकर पुलिस ने पूछताछ की, तो उसने पुलिस को आठ बाइक चोरी करने की जानकारी दी।

पुलिस गिरफ्त में आए शूटर का पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान में मूवमेंट रहा है

तेलीबांधा गोलीकांड का प्रमुख शूटर पंजाब की जेल में मिला, अब तक 11 दबोचे गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तेलीबांधा थाना क्षेत्र के रिंग रोड में एक माह पूर्व फिरौती वसूली के लिए कारोबारी समूह पीआरए ग्रुप की कार में फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले मेन शूटर को पुलिस ने पंजाब से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस गिरफ्त में आए शूटर ने एक माह पूर्व अपने साथी के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। इस मामले में अब तक 11 लोगों को पकड़ा गया है, पर मुख्य शूटर और उसका साथी फरार थे। अब एक मुख्य शूटर पकड़ा गया है।

हरिभूमि फॉलोअप

पुलिस के मुताबिक शूट आउट की घटना को अंजाम देने के आरोप में पंजाब, मानसा निवासी सागर उर्फ टाइटल को गिरफ्तार किया गया है। सागर आर्म्स एक्ट के मामले में भटिंडा जेल में बंद था। पुलिस ने सागर को प्रोटक्शन वारंट में गिरफ्तार किया है। शूट आउट की घटना में शामिल एक अन्य शूटर फरार है। पुलिस दूसरे शूटर को भी जल्द गिरफ्तार करने का दावा कर रही है। बदमाशों ने घटना को अंजाम देने के पहले रेकी की थी। इसके बाद 13 जुलाई को शूट आउट की घटना को अंजाम दिया था। घटना के समय कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक प्रहल्लाद अग्रवाल अपने ऑफिस में मौजूद थे। ऐसा कहा गया कि उन्हें डराने के लिए बदमाशों ने वहां गोलियां चलाईं। इस वारदात के बाद शहर में सनसनी फैल गई थी।

पंजाब के भटिंडा जेल से पुलिस शूटर को प्रोटक्शन वारंट में रायपुर लेकर आई

हाईलेवल को-आर्डिनेशन से पकड़ा गया

शूट आउट की घटना को अंजाम देने वाला सागर तथा शूट आउट की घटना में बाइक चला रहे बाइकर्स प्रवीण को रायपुर पुलिस 20 दिनों से ट्रेस कर रही थी। बदमाशों के ट्रेस नहीं होने पर पुलिस रायपुर वापस लौट आई। इसी दौरान पुलिस को सागर का उसके गांव में होने का लोकेशन मिला। पुलिस के पहुंचते तक सागर भाग सकता था। इसके बाद पुलिस ने पंजाब पुलिस से मदद मांगी। पंजाब पुलिस सागर के घर पहुंची तो उसके पास पुलिस को एक देशी कट्टा मिला। देशी कट्टा मिलने के बाद पुलिस ने सागर के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जेल दाखिल किया। इसके बाद रायपुर पुलिस सागर को गिरफ्तार करने कोर्ट से प्रोटेक्शन वारंट हासिल कर उसे गिरफ्तार किया।

अमनदीप ने घटना को अंजाम देने जिम्मेदारी ली थी

झारखंड जेल में बंद अमन साहू के साथी पंजाब के गैंगस्टर अमनदीप बाल्मीकि ने शूट आउट की घटना को अंजाम देने जिम्मेदारी ली थी। इसके लिए उसने शूटर मैनेज करने के साथ बदमाशों को पिस्टल उपलब्ध कराने के साथ उनके आने-जाने तथा रुकने की व्यवस्था की थी। पूरा मामला रंगदारी वसूली का है। बदमाशों ने वसूली के लिए पहले भी कारोबारी को टार्गेट किया था।

चार राज्यों में सक्रिय था शूटर

पुलिस गिरफ्त में आए बदमाश के खिलाफ पंजाब तथा हरियाणा में मारपीट, लूट तथा डकैती के गंभीर आरोप हैं। पुलिस को जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक सागर पंजाब तथा हरियाणा में सक्रिय था। पुलिस को सागर के राजस्थान तथा दिल्ली में मूवमेंट की जानकारी मिली है। दिल्ली तथा राजस्थान में सागर के खिलाफ कोई मामला दर्ज है या नहीं, पुलिस इसकी जानकारी जुटाने की बात कह रही है।

रोड ठेका का लेवी वसूलने फायरिंग

कारोबारी समूह का झारखंड में रोड ठेका का 810 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट चल रहा है। इसी प्रोजेक्ट को देखते हुए अमन साहू कारोबारी समूह से पेटी कांट्रैक्ट पर काम करना चाहता था। पेटी कांट्रैक्ट का काम नहीं मिलने पर फिरौती की मांग कर रहा था। पेटी कांट्रैक्ट तथा फिरौती नहीं देने पर अमन साहू ने कारोबारी को डराने के उद्देश्य से शूट आउट की घटना को अंजाम दिलवाया। इसके लिए अमनदीप गिरोह को काम सौंपा गया था। पकड़ा गया शूटर इसी गिरोह का बताया गया है।

पांच लेयर में रहेगी गृहमंत्री की पुलिस सुरक्षा, एयरपोर्ट से लेकर मेफेयर होटल छावनी में तब्दील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के दौरे पर पहुंच रहे हैं। केंद्रीय गृहमंत्री तीन दिन रायपुर में रुकेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री के छत्तीसगढ़ प्रवास को देखते हुए पुलिस ने अपने स्तर पर सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए आधा दर्जन आईपीएस अफसरों के साथ ही 25 राजपत्रित पुलिस अफसर तथा छह सौ पुलिस जवानों की ड्यूटी लगाई गई है।

- आधा दर्जन आईपीएस, 25 राजपत्रित पुलिस अफसरों के साथ छह सौ बल की तैनाती

गौरतलब है कि केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह के छत्तीसगढ़ प्रवास पर उनके साथ केंद्रीय सुरक्षाबल की टीम रहेगी। इसके साथ ही पुलिस ने भी अपने स्तर पर केंद्रीय मंत्री की सुरक्षा के लिए इंतजाम किए हैं। अफसरों के मुताबिक आईपीएस अफसर केंद्रीय गृहमंत्री की सुरक्षा के लिए होटल मेफेयर तथा एयरपोर्ट पर भी रहेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री किस रूट से होटल मेफेयर जाएंगे, सुरक्षा कारणों से इसका खुलासा नहीं किया गया है।

ट्रैफिक डायवर्ट नहीं किया जाएगा

ट्रैफिक पुलिस के अफसरों के मुताबिक केंद्रीय गृहमंत्री के एयरपोर्ट से होटल जाते कुछ समय के लिए ट्रैफिक को रोका जाएगा। केंद्रीय मंत्री का काफिला पार होने के बाद सामान्य आवाजाही जारी रहेगी। इसके साथ ही अलग-अलग राज्यों से आने वाले अफसरों के लिए भी इसी तरह से ट्रैफिक को रोका जाएगा।

शिफ्ट में ड्यूटी

आईपीएस तथा राजपत्रित पुलिस अफसरों को छोड़ अन्य पुलिस जवानों की ड्यूटी शिफ्ट में लगाई जाएगी। पुलिस अफसरों के अनुसार केंद्रीय गृहमंत्री की सुरक्षा पांच लेयर में रहेगी। केंद्रीय मंत्री की सुरक्षा में तैनात जवान गुरुवार को रायपुर पहुंच जाएंगे। केंद्रीय गृहमंत्री की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पड़ोसी जिलों के पुलिस बल तैनात किए जाएंगे।

रैप-सांग के माध्यम से पुलिस की जन जागरूकता

रायपुर। नशे के खिलाफ रायपुर पुलिस द्वारा कार्रवाई व जागरूकता अभियान निजात चलाया जा रहा है। पुलिस द्वारा युवाओं को अभियान के तहत नारकोटिक्स, ड्रग्स, शराब, गांजा, सिलोशन एवं सिरिंज आदि से होने वाले दुष्परिणामों के बारे बताया जा रहा ▶▶|शेष पेज 13 पर

पैनिक बटन नहीं तो बसें रह जाएंगी अनफिट, अभी 800 वाहनों में सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्री परिवहन संबंधित सभी तरह के कमर्शियल वाहनों में अनिवार्य रूप से पैनिक बटन तथा व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) सिस्टम लगाने के आदेश का पूरी तरह पालन नहीं हो रहा है। बिना पैनिक बटन फिटनेस सर्टिफिकेट और परमिट नहीं देने के फैसले के बाद अभी तकरीबन 800 बसों में बटन लगाए गए हैं और कंट्रोल रूम को भी अपडेट किया गया है। अभी शिकायतों का सिलसिला शुरू नहीं हुआ है। डॉयल-112 में कमांड, कंट्रोल सेंटर बनाया गया है। अफसरों के अनुसार डॉयल-112 में वीएलटीडी, पैनिक बटन की मॉनिटरिंग के लिए साफ्टवेयर लगाए गए हैं। साफ्टवेयर को ऑपरेट करने इंजीनियर भी आ गए हैं। गौरतलब है कि महिलाओं के साथ बढ़ते अपराध पर अंकुश ▶▶|शेष पेज 13 पर

- डॉयल-112 में सॉफ्टवेयर लगाए गए, अब तक एक भी शिकायत दर्ज नहीं

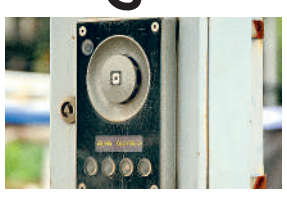

एक माह में लगे साढ़े आठ सौ बसों में पैनिक बटन

गौरतलब है कि राज्य में नौ हजार से ज्यादा यात्री बसों का संचालन हो रहा है। राज्य में संचालित यात्री बसों में पूर्व में चार सौ यात्री बसों में पैनिक बटन तथा वीएलटीडी लगाए गए थे। बगैर पैनिक बटन तथा वीएलटीडी के फिटनेस सर्टिफिकेट तथा परमिट जारी नहीं करने की चेतावनी के बाद एक माह के भीतर बस ऑपरेटरों ने साढ़े आठ सौ बसों में पैनिक बटन तथा वीएलटीडी लगवाए हैं।

लगवाने के लिए कहा गया है

बस ऑपरेटरों को बसों में अनिवार्य रूप से पैनिक बटन तथा वीएलटीडी लगवाने के लिए कहा गया है। पैनिक बटन तथा वीएलटीडी नहीं लगवाने वाले वाहन मालिकों के वाहनों के फिटनेस सर्टिफिकेट तथा परमिट जारी नहीं किए जाएंगे।

- आशीष देवांगन, रायपुर आरटीओ

पहले पैनिक बटन, वीएलटीडी जांच करेंगे

कमर्शियल वाहनों की हर वर्ष फिटनेस जांच होती है। साथ ही परिमिट का नविनिकरण होता है। परिवहन विभाग ने फिटनेस सेंटर संचालक को साफ तौर पर निर्देशित किया है कि वाहन मालिक अपने वाहन की फिटनेस जांच कराने आता है, उस वाहन का पहले पैनिक बटन के साथ वीएलटीडी जांच करें। इसके साथ ही परमिट जारी करने के समय वाहन में पैनिक बटन तथा वीएलडीटी की पुष्टि की जाएगी।

जेएन मेडिकल कालेज में ओएसडी के रूप में करेंगे काम

डॉ. पुनीत गुप्ता हुए बहाल जारी रहेगी अनियमितताओं की विभागीय जांच

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

विभिन्न अनियमितता मामले में निलंबित किए गए डीके अस्पताल के पूर्व अधीक्षक डॉ. पुनीत गुप्ता को बहाल कर दिया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा मंगलवार को जारी किए गए आदेश में उन्हें जेएन मेडिकल कालेज का ओएसडी बनाया गया है। साथ ही आदेश में उनके खिलाफ विभागीय जांच जारी रहने का उल्लेख भी किया गया है। डॉ. पुनीत गुप्ता पर डीकेएस पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ रिसर्च सेंटर के नाम पर अनियमितता का आरोप था। इन मामलों को लेकर उन्हें निलंबित कर दिया गया था और मामले में एफआईआर कराई गई थी। इस प्रकरण में विभागीय स्तर पर जांच जारी थी। इस दौरान डॉ. गुप्ता द्वारा बिना किसी गंभीर आरोप के पांच साल के निलंबन को समाप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था। मामले की जांच के दौरान जांच आयुक्त द्वारा इस पर शासन स्तर पर फैसला लेने और कोई आपत्ति नहीं होने का अभिमत दिया गया था। इसके साथ ही डॉ. गुप्ता द्वारा लगाए गए आरोप के मामले में जांच के दौरान सहयोग करने की सहमति दी गई थी। विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा मंगलवार को अवर सचिव के हस्ताक्षर युक्त आदेश में उन्हें बहाल करते हुए पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के रूप में पदस्थ किया गया है। इस दौरान इस बात का भी जिक्र किया गया है कि उनके खिलाफ विभागीय जांच जारी रहेगी और निलंबन अवधि का निराकरण विभागीय जांच के गुण-दोष के आधार पर पृथक से किया जाएगा।

किसी विषय में 3 तो किसी में 7 छात्र ही हुए शामिल कहीं एकलौते विद्यार्थी के लिए पर्चे, इसमें भी आधे फेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि की पीड़ा कभी खत्म होने का नाम ही नहीं लेती है। रविवि अब बार-बार फेल होने वाले छात्रों से परेशान हो गया है। बुधवार को विवि द्वारा 21 सेमेस्टर कक्षाओं के परिणामों की घोषणा की गई। इनमें कई एटीकेटी कक्षाओं के परिणाम भी शामिल रहे। कई विषयों की परीक्षाएं ऐसी रहीं, जिसमें छात्र संख्या दहाई के अंकों तक भी नहीं पहुंच सकी। इसमें भी आधे छात्र फेल हो गए। अब रविवि इनके लिए पुनः परीक्षाएं आयोजित करेगा।

- बुधवार को जारी किए गए 21 सेमेस्टर कक्षाओं के परिणाम

उल्लेखनीय है कि किसी परीक्षा में कितने भी छात्र शामिल हों, रविवि को नियमतः तीन सेट में प्रश्नपत्र तैयार करने पड़ते हैं। पेपर सेट करने वाले प्राध्यापकों को भुगतान करने से लेकर परीक्षकों को भी निर्धारित भत्ता देना होता है। ▶▶|शेष पेज 13 पर

रविवि के लिए सिरदर्द बने बार-बार फेल होने वाले परीक्षार्थी

एमएससी फिजिक्स में 42% लुढ़के

कई विषय ऐसे भी रहे, जिसमें छात्र संख्या पर्याप्त रही, लेकिन इसके बाद भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। एमएससी फिजिक्स की परीक्षा 170 छात्रों ने दिलाई। इनमें से 57.65 प्रतिशत अर्थात 98 छात्र ही उत्तीर्ण हो सके। अधिक छात्र संख्या वाले अन्य विषयों के परिणाम बेहतर रहे। बीएएलएलबी पार्ट-2 द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल 195 छात्रों में से 85.13 प्रतिशत ने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। एमएससी जूलॉजी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में 304 में से 84.87 प्रतिशत छात्र सफल रहे। एमए भूगोल की परीक्षा 302 छात्रों ने दिलाई। इनमें से 70.86 प्रतिशत पास हुए। एलएलएम द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में 140 और एमएड द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में 127 छात्र शामिल हुए। इनके परिणाम क्रमशः 90 व 89.76 फीसदी रहे।

बीवॉक में एक ही छात्र

बीवॉक इन इंटीरियर डिजाइन के प्रथम सेमेस्टर की एटीकेटी परीक्षा में 1 और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा में 3 छात्र बैठे। एकलौते छात्र ने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली, जबकि तृतीय सेमेस्टर में 3 में से 2 फेल रहे। सेंटर फॉर बेसिक साइंस तृतीय सेमेस्टर की एटीकेटी परीक्षा में 7 छात्र बैठे। इसमें भी 2 ही पास हो सके। इसी तरह एमएससी आईटी तृतीय सेमेस्टर और एमएससी भूगोल चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में 2-2 छात्र ही बैठे। हालांकि इसमें सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे।

कड़ी धूप से तापमान पांच डिग्री ज्यादा, दोपहर बाद छाए बादल जमकर गरजे और बरसे भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तीन दिन से बारिश नहीं होने और कड़ी धूप की वजह से अधिकतम तापमान पांच डिग्री ज्यादा होने से लोग उमस से हलाकान हो चुके हैं। राजधानी में दोपहर बाद काले बादल

छाए जो जोरों से गरजे और रात में बरसे भी। आज से मौसम में बदलाव होने की उम्मीद बन रही है। वातावरण में मौजूद नमी और कड़ी धूप की वजह से शहर में मौसमी बीमारियां भी लौटी हैं। लोगों में खांसी के साथ ▶▶|शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

ईडी के दुरुपयोग के विरोध में कांग्रेस का आज प्रदर्शन

रायपुर। ईडी द्वारा केंद्र सरकार के इशारे पर देशभर में की जा रही राजनैतिक कार्रवाइयों के विरोध में कांग्रेस देश के सभी राज्यों में ईडी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, छत्तीसगढ़ में ईडी दफ्तर के बाहर कांग्रेसी धरना देकर ईडी को चेतावनी देंगे कि वह अपनी संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन न करे। कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करके जांच एजेंसी को आईना दिखायेगी। मोदी सरकार ने केंद्रीय एजेंसियों को भाजपा का अनुषांगिक संगठन बना कर रख दिया है। विपक्ष को परेशान करने का षड्यंत्र ईडी का मुख्य काम बन गया है।

आज जनदर्शन स्थगित

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हर सप्ताह गुरुवार को होने वाला जनदर्शन इस गुरुवार 22 अगस्त को अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। जनदर्शन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय लोगों की समस्या सुनते हैं। वहीं मौके पर ही अधिकारियों को समाधान के निर्देश देते हैं। नागरिकों के समस्या समाधान के बाद उसकी जानकारी भी जनसंपर्क विभाग के पोर्टल पर अपडेट की जाती है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री का आज कोण्डागांव दौरा

रायपुर। वाणिज्य, उद्योग, श्रम और कोण्डागांव जिले के प्रभारी मंत्री लखनलाल देवांगन 22 अगस्त को

एक दिवसीय कोण्डागांव जिले के दौरे पर रहेंगे। वे सुबह 10.30 बजे कार द्वारा रायपुर से कोण्डागांव जिले के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेंगे। 3.10 बजे कलेक्टर सभागृह में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक लेंगे। शाम 4.30 बजे कोण्डागांव से रायपुर के लिए रवाना होंगे।

दुष्कर्म की घटना पर कांग्रेस ने बनाया जांच दल

रायपुर। रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखंड के ग्राम कसाईपाली में दुष्कर्म की घटना पर कांग्रेस ने

जांच दल का गठन किया है। सारंगढ़ विधायक उत्तरी जांगड़े को कमेटी का संयोजक नियुक्त करते हुए 5 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। इसमें विधायक विद्यावती सिदार, चातुरी नंद, कविता प्राण लहरे और अरुण मालाकार को सदस्य बनाया गया है। जांच समिति पीड़ित के परिजनों से मुलाकात कर सौंपेगी रिपोर्ट।

आज से रंग परब नाट्य श्रंखला

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को सहजने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग द्वारा 'रंग परब' नाट्य श्रृंखला का आयोजन 22 से 24 अगस्त तक रायपुर के मुक्ताकाश मंच, महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर में किया जाएगा। तीन दिवसीय आयोजन में विभिन्न नाटकों के माध्यम से राज्य की जनजातीय और लोक संस्कृति की झलक प्रस्तुत की जाएगी। पहले दिन गुरुवार को 'गोदना' नामक नाटक की प्रस्तुति गौतम चौबे द्वारा दी जाएगी।

श्रमिक पंजीयन नवीनीकरण 31 दिसंबर तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के गठन से आज तक ऐसे

पंजीकृत श्रमिक जिनके पंजीयन की वैधता समाप्त हुए 1 वर्ष या उससे अधिक का समय हो चुका है तथा उनके द्वारा पंजीयन नवीनीकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया है, ऐसे निर्माण श्रमिक 31 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ को केंद्र से मिलेगा 37 हजार मीट्रिक टन चना, खरीदी का टेंडर निरस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के अनुसूचित एवं माड़ा क्षेत्र के राशन कार्डधारियों को अब पोषक चना मिलने की राह आसान हो गई है। दरअसल केंद्र सरकार ने राज्य को करीब 37 हजार मीट्रिक टन रॉ चना देने की मंजूरी दे दी है। हालांकि इससे पहले काफी समय तक केंद्र से चना न मिलने की स्थिति खुद राज्य सरकार ने टेंडर के माध्यम से चना खरीदी की तैयारी शुरू कर दी थी। टेंडर जारी भी कर दिए गए थे, लेकिन अब इन टेंडरों को निरस्त कर दिया गया है।

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में इन्हें मिलता है चना

राज्य के अनुसूचित एवं माडा क्षेत्रों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से चना वितरण की योजना वर्ष 2013 से लागू है। योजना का उद्देश्य अनुसूचित एवं माडा क्षेत्रों में पोषण सुरक्षा तथा प्रोटीन की पूरक आपूर्ति के लिए चना का प्रदाय किया जाता है। अनुसूचित एवं माडा क्षेत्रों के सभी अंत्योदय एवं प्राथमिकता वाले राशनकार्ड धारी परिवार को प्रति परिवार 2 किलो चना, 5 रुपए प्रति किलो की दर से दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि पिछले काफी समय से केंद्र से चना की आपूर्ति न होने के कारण यह व्यवस्था प्रभावित हो रही थी।

केंद्र ने दिया आवंटन

इधर केंद्र सरकार के कृषि एं किसान कल्याण मंत्रालय ने राज्य सरकार को जारी पत्र में कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत चना वितरण के लिए 36 हजार 968 मीट्रिक टन रॉ चना आवंटित किया जा रहा है। यह पत्र मिलने के बाद छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन ने एक सूचना जारी कर चना खरीदी के लिए जारी ई निविदा को निरस्त करने की सूचना जाहिर की है।

चार समूहों के लिए हुए थे टेंडर

राज्य सरकार के खाद्य विभाग ने चना वितरण के लिए खरीदी की तैयारी करते हुए पिछले महीने की 24 तारीख को टेंडर जारी कर दिया था। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत चना वितरण की वैक्लिपक व्यवस्था बनाते हुए चार समूहों के लिए चना खरीदने अलग-अलग टेंडर जारी किए गए थे। निविदा प्रक्रिया का संचालन 2 सितंबर तक होना था। खास बात ये है कि निविदा में साफ किया गया था कि अगर टेंडर की प्रक्रिया के दौरान केंद्र से चना मिल जाता है तो टेंडर निरस्त कर दिए जाएंगे।

नागरिक अपने आवेदन में कार्यवाही की स्थिति भी जान सकेंगे

सीएम ने मंत्रालय में शुरू किया ई ऑफिस सिस्टम अब फाइलें न गायब होंगी न हो सकेगा हेरफेर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को मंत्रालय में ई-आफिस प्रणाली और स्वागतम पोर्टल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ये दोनों प्रणालियां राज्य में सुशासन को और मजबूती प्रदान करेंगी। ई ऑफिस सिस्टम की शुरुआत सामान्य प्रशासन विभाग से की गई है। खास बात ये है कि ये सिस्टम शुरू होने से अब सरकारी फाइल कभी गुम नहीं हो सकेंगी। यही नहीं, फाइलों में किसी प्रकार का हेरफेर नहीं किया जा सकेगा। नागरिकों के लिए ये सुविधा होगी कि वे अपने आवेदन में कार्यवाही की स्थिति भी जान सकेंगे। उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये दोनों प्रणालियां राज्य में सुशासन को और मजबूती प्रदान करेंगी।

शुरुआत सामान्य प्रशासन से

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ई ऑफिस प्रणाली के पेज पर शासन के सभी विभागों में ई ऑफिस प्रणाली लागू करने के निर्देश ऑन लाईन मुख्य सचिव को जारी कर प्रणाली का शुभारंभ किया। ई ऑफिस प्रणाली की शुरुआत पहले सामान्य प्रशासन विभाग में लागू की जा रही है। जिसे क्रमशः सभी विभागों में लागू किया जाएगा।

अब ऐसे काम करेगा सिस्टम

ई-आफिस प्रणाली का उद्देश्य शासकीय दस्तावेजों को डिजिटल बनाना और उन्हें एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय तक भेजने की प्रक्रिया को त्वरित बनाना है। यह प्रणाली न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि दस्तावेजों की सुरक्षा को भी सुनिश्चित करेगी। डिजिटल माध्यम में दस्तावेजों के खोने या उनमें हेरफेर किए जाने की आशंका समाप्त हो जाएगी। इसके साथ ही, इस प्रणाली के माध्यम से फाइलों का समय पर निराकरण संभव हो सकेगा, जिससे अधिकारियों के कामकाज की मॉनिटरिंग भी सुगम हो जाएगी।

स्वागतम पोर्टल : आम जनता के लिए आसान प्रवेश

मंत्रालय में आम जनता के प्रवेश को सुगम बनाने के लिए स्वागतम पोर्टल की शुरुआत की गई है। इस पोर्टल के माध्यम से लोग ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और बिना कतार में लगे, एसएमएस या ई-मेल के जरिए मिलने के समय की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि मंत्रालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था भी अधिक सुदृढ़ हो सकेगी।

नागरिकों के लिए ये सुविधा

ई-आफिस प्रणाली और स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ राज्य सरकार के सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ये पहलें न केवल सरकारी कामकाज को डिजिटल रूप से उन्नत करेंगी, बल्कि आम जनता के लिए भी सुविधाएं बढ़ाएंगी। अब नागरिक अपने आवेदनों की स्थिति को आसानी से जान सकेंगे और उनके प्रवेश को लेकर होने वाली जटिलताओं से भी बचा जा सकेगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, विधायक मोतीलाल साहू, गजेंद्र यादव, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, बसवराजू एस., सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव राहुल भगत, और सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव मुकेश बंसल सहित कई अन्य अतिथि शामिल थे।

छत्तीसगढ़ में सहकारिता के विस्तार की बनेगी रणनीति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह तीन दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। यहां पर नक्सल प्रभावित राज्यों के समन्वय समिति की बैठक लेंगे। वहीं छत्तीसगढ़ में सहकारिता के विस्तार से संबंधित बैठक में भी शामिल होंगे। सहकारिता मामलों में 25 अगस्त को राज्य के सहकारिता मंत्री और यहां के अधिकारियों से इस क्षेत्र में किए गए कार्यों की जानकारी लेंगे।

■ 25 को केंद्रीय मंत्री शाह लेंगे बैठक

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह के आगामी छत्तीसगढ़ प्रवास की चर्चा करते हुए सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा, प्रदेश सरकार भी सहकारिता के क्षेत्र में नई पीढ़ी को जोड़ने के प्रयास में लगी है। सहकारिता आंदोलन को विस्तार देने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ना है। आने वाले दिनों में जिन पंचायतों में पैक्स नहीं है, वहां पैक्स का गठन करके बहुउद्देश्यीय सहकारिता के लक्ष्य को प्राप्त करना है। सहकारिता प्रकोष्ठ के विस्तार को लेकर जिला स्तर पर काम करना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता आंदोलन के उन्नयन पर बल दिया, इस लिहाज से देशभर में पैक्स का विस्तार किया जाना है। इससे लाभार्थियों को सहकारिता के माध्यम से अधिकतम लाभ पहुंचायें। प्रदेश में लगभग 12 हजार पंचायतों तक हम सहकारिता को मजबूत बनाएंगे। प्रधानमंत्री ने जिस आर्थिक सशक्तिकरण की परिकल्पना की है, वह इससे भली प्रकार साकार होगी।

राशन दुकानों को चावल सप्लाई में बरती जा रही लापरवाही, संचालक के साथ हितग्राही परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर की कई राशन दुकानों में चावल की सप्लाई प्रभावित है। छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम रायपुर (नान) द्वारा दुकानों की डिमांड के अनुसार चावल सप्लाई नहीं कर रहा है, जिसके कारण हितग्राहियों के साथ दुकान संचालकों को भी परेशान होना पड़ रहा है। हितग्राहियों को बार-बार दुकान के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, वहीं संचालकों को भी चावल की सप्लाई नहीं होने से नान गोदाम के चक्कर काटने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यही नहीं, दुकान में चावल नहीं मिलने से कई बार हितग्राही और संचालक के बीच यह विवाद का कारण भी बन रहा है।

खास खबर

सप्ताहभर गोदाम का चक्कर लगाने के बाद कलेक्टोरेट कॉल सेंटर में शिकायत

रायपुर जिले के मठपुरैना के बड़ापारा स्थित सार्वजनिक वितरण प्रणाली की संचालित राशन दुकान में पिछले सप्ताह भर से चावल का स्टॉक खत्म हो गया है। इसके कारण इस दुकान में पहुंचने वाले हितग्राहियों को भी वापस लौटना पड़ रहा है। दुकान संचालक कमल कुमार सोनकर ने स्टॉक खत्म होने के बाद चावल का आबंटन करने की डिमांड गुढ़ियारी स्थित नान के गोदाम में की थी। इस डिमांड के बाद भी नान से चावल का आबंटन नहीं किया जा रहा था। इस दौरान संचालक 3 से 4 बार गोदाम का चक्कर भी लगा चुका है ताकि जल्द से जल्द चावल का आबंटन हो, लेकिन गोदाम में बैठे अधिकारी चावल का आबंटन नहीं किया गया। थक हारकर कमल ने इसकी शिकायत कलेक्टोरेट कॉल सेंटर के फोन नंबर पर दर्ज कराई। इस शिकायत के बाद कलेक्टोरेट से गोदाम के अधिकारियों को निर्देश दिए गए, जिसके बाद आनन-फानन में अधिकारियों ने चावल का आबंटन जारी कर दुकान में पहुंचाया गया।

डिमांड से कम चावल आबंटन किया जा रहा

शहर में ऐसी कई राशन दुकानें हैं, जहां नान अधिकारियों के लापरवाही के कारण चावल का आबंटन समय पर नहीं किया जा रहा है। संतोषीनगर राशन दुकान के संचालक फिरोज खान ने बताया कि उनकी दुकान में भी चावल का स्टॉक खत्म होने वाला था, इसलिए 5 दिन पहले ही चावल आबंटन के लिए डिमांड कर दिया था। 5 दिन के बाद चावल आबंटन कर सप्लाई की गई है, लेकिन डिमांड की तुलना में आधे से भी कम चावल आबंटन किया गया है।

समय पर आबंटन नहीं करने की मिल रही शिकायतें

नान के गोदामों से कुछ राशन दुकानों को चावल का आबंटन कर सप्लाई विलंब से करने की शिकायतें आई है। इन शिकायतों पर नान अधिकारियों को समय पर सप्लाई करने के लिए कहा गया है।

- भूपेंद्र मिश्रा, जिला खाद्य नियंत्रक

कांग्रेस सरकार में सहकारिता क्षेत्र की उपेक्षा उसे सुधार कर फिर से प्रभावी बनाएंगे : कश्यप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ की बैठक को लेकर सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा, सहकारिता एक महत्वपूर्ण प्रकोष्ठ है। सहकारिता क्षेत्र की कांग्रेस सरकार ने उपेक्षा की थी। कांग्रेस का उद्देश्य सहकारिता आंदोलन को खत्म करने का था। भाजपा चाहती है कि सहकारिता प्रकोष्ठ अव्वल दर्जे पर आए। योजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रकोष्ठ के सदस्यों से सुझाव मांगा गया है, इसका सहकारिता के क्षेत्र में अमल किया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी सहकारिता प्रकोष्ठ की प्रदेश स्तरीय बैठक बुधवार को भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में हुई। बैठक में जिला संयोजक और प्रभारी उपस्थित रहे। इस दौरान पंचायतों में पैक्स का विस्तार और कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। मार्केटिंग सोसाइटियों के उन्नयन और मत्स्य नीति में संशोधन सहित अन्य विषयों पर भी मंथन किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश सहकारिता और वन मंत्री केदार कश्यप, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा, पूरे देश में पैक्स का विस्तार को लेकर 13

अगस्त को दिल्ली में हुई बैठक में तय हुआ है। प्रदेश में हमें पैक्स का विस्तार करके प्रदेश की सभी पंचायतों में सहकारिता का प्रभाव बढ़ाना है। उन्होंने कहा, अभी जितनी समितियां कार्यरत हैं, उन्हें प्रदेशव्यापी स्वरूप देना होगा, इसके लिए प्रदेश सरकार सहकारिता नीति पर भी विचार कर रही है।

जिलाध्यक्षों से चर्चा कर बनाएं रूपरेखा- किरण देव

प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा, सहकारिता का विषय बहुत व्यापक है। सहकार से समग्र विकास की कल्पना केंद्र सरकार ने की है, इसमें सहकारिता को बहुउद्देश्यीय स्वरूप दिया जा रहा है। केन्द्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश में पैक्स के विस्तारीकरण पर बल दिया है, इस दृष्टि से सरकार के साथ ही सहकारिता प्रकोष्ठ का दायित्व ज्यादा गंभीर है। कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ में सहकारिता क्षेत्र की जो दुर्दशा की थी, उसे सुधारकर सहकारिता के क्षेत्र को पुनः प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य करना है। उन्होंने मोर्चा के साथ-साथ प्रकोष्ठों की प्रभावी भूमिका की सराहना करते हुए कहा, जिलाध्यक्षों के साथ चर्चा करके पैक्स के विस्तारीकरण की रूपरेखा तय करें।

सहकारिता समितियों का जाल

सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शशिकांत द्विवेदी ने कहा, केन्द्र में जब से पृथक सहकारिता मंत्रालय का गठन हुआ है तब से देश के कोने कोने में सहकारी समितियों का जाल बिछ रहा है। कृषि व ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सहकारिता एकमात्र ऐसा आंदोलन है जिसके माध्यम से समृध्दि को हर व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय द्वारा लैम्प्स, पैक्स के आय के स्त्रोत बढ़ाने के लिए 25 से अधिक नए क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर बनेंगे। लगभग सभी राज्य व केन्द्र शासित प्रदेश ने केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय द्वारा निर्मित आदर्श उपविधियों को अपना लिया है।

बाकी बचे आवेदनों का परीक्षण करने के बाद जल्द करेंगे निराकरण : साव

निकायों में सबसे अधिक शिकायतें पीएम आवास, पानी और सड़क की, हजारों का निराकरण भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा राज्यभर में चलाए गए जनसमस्या निवारण शिविरों में सबसे अधिक मामले पीएम आवास, पेयजल, सड़क व नाली मरम्मत तथा निर्माण कार्य से संबंधित आए हैं। उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने इस संबंध में मीडिया से चर्चा करते हुए जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अलग-अलग तरह के हजारों मामलों का निराकरण मौके पर शिविर के दौरान कर दिया गया है। अन्य मामलों में आवेदनों का परीक्षण कर जल्द समाधान किया जाएगा।

पीएम आवास के साढ़े 17 हजार आवेदन

जनसमस्या निवारण शिविरों में प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित 17 हजार 512 आवेदन मिले जिनमें से 1181 का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर स्थल पर ही हितग्राहियों को पात्रतानुसार नए आवास की स्वीकृति, आवास आवेदन की त्रुटियों का निराकरण, किस्त का भुगतान तथा अधूरे आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के संबंध में कार्यवाही की गई। पेयजल समस्या से जुड़े 5573 आवेदनों में से 1233 का शिविर में ही समाधान किया गया। इस दौरान लोगों की मांग एवं शिकायत के अनुसार नए नल कनेक्शन, पाइपलाइन का विस्तार, पाइपलाइन लीकेज की मरम्मत, पेयजल आपूर्ति संबंधी समस्याओं को निराकृत किया गया।

कचरा संग्रहण, नाली, सफाई की शिकायतें

जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के दौरान डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, नाली सफाई, पानी निकासी तथा साफ-सफाई से संबंधित शिकायतों का तत्परता से निराकरण किया गया। नगरीय निकायों की टीम द्वारा कचरा एकत्रीकरण एवं उठाव से संबंधित 1796 आवेदनों में से 1127 को शिविर स्थल पर ही निराकृत किया गया। शिविरों में निराश्रितों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन में आ रही समस्याओं का यथाशीघ्र निराकरण कर पेंशन की राशि प्रदान की गई। सामाजिक सुरक्षा पेंशन संबंधी प्राप्त 2263 आवेदनों में से निकाय स्तर के 570 आवेदनों को तत्काल निराकृत किया गया। शेष आवेदनों के परीक्षण की कार्यवाही जारी है।

सड़क व नाली मरम्मत तथा निर्माण : 17 हजार 655 आवेदन

नगरीय निकायों में आयोजित शिविरों में सड़क व नाली मरम्मत तथा निर्माण कार्य से जुड़े 17 हजार 655 आवेदनों में से 809 आवेदनों को तत्काल स्वीकृत कर सड़क और नाली मरम्मत के कार्य किए गए। शेष मांगों के अनुरूप नई नाली और सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। नवीन निर्माण कार्यों से संबंधित प्रस्ताव स्थल चयन तथा जांच के उपरांत निकाय के माध्यम से शासन को भेजे जाएंगे। जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के दौरान शिविर स्थल पर ही संपत्ति कर के भुगतान की सुविधा मुहैया कराई जा रही थी। नए भवनों के संपत्ति कर एवं संपत्ति निर्धारण संबंधी शिकायतों के निराकरण के साथ ही इनसे संबंधित 642 आवेदनों में से 380 को मौके पर ही निराकृत किया गया।

नियमितीकरण की मांग आई सामने

शिविर स्थल पर ही संपत्ति के नामांतरण, नए भवन निर्माण की स्वीकृति तथा नियमितीकरण संबंधी मांगों का यथासंभव निराकरण किया गया। इनसे जुड़े 1117 आवेदनों में से 58 का त्वरित निराकरण किया गया। शेष आवेदन जिला कार्यालय या नगर निवेश से संबंधित होने के कारण इन विभागों के समन्वय से निराकृत किए जाएंगे। वार्डवार आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों में नए राशन कार्ड का वितरण, राशन कार्ड में त्रुटि सुधार एवं पात्रतानुसार बीपीएल, एपीएल राशन कार्ड बनाकर आवेदकों को दिए गए। राशन कार्ड से संबंधित 21 हजार 701 आवेदनों में से 11 हजार 541 मौके पर ही निराकृत किए गए। शेष आवेदनों का परीक्षण कर शीघ्र समाधान किया जाएगा।

शिविरों में पौने दस हजार का इलाज भी

स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से शिविर स्थल पर ही वार्डवासियों के प्राथमिक उपचार और रक्त परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। पखवाड़ा के दौरान 9701 लोगों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर जरूरी उपचार मुहैया कराया गया। शिविरों में 7613 आयुष्मान कार्ड भी बनाकर वितरित किए गए।

राजस्व प्रकरणों का निपटारा

भूमि विवाद एवं राजस्व प्रकरणों के 14 हजार 80 आवेदनों में से 3000 आवेदनों का निराकरण भी पखवाड़ा के दौरान किया गया। शिविरों में बिजली, स्ट्रीट लाइट, मवेशी, आवारा कुत्तों, अतिक्रमण, अवैध निर्माण, सड़क बाधा इत्यादि से संबंधित 30 हजार 489 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से निकाय स्तर के 11 हजार 146 आवेदनों का त्वरित समाधान किया गया। शेष आवेदन अन्य विभागों से संबंधित होने के कारण संबंधित विभागों को निराकरण के लिए प्रेषित किए गए हैं।

निकायों को 8 माह में मिले 1250 करोड़

श्री साव ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार गठित होने के शुरुआती 8 महीनों में ही नगरीय निकायों को विकास कार्यों के लिए 1250 करोड़ रुपए दिए गए हैं। नगरीय निकायों को जल्द मिलने वाली 900 करोड़ रुपए को मिलाकर हमारी सरकार द्वारा शहरों के विकास के लिए मुहैया कराई जाने वाली राशि 2150 करोड़ रुपए पहुंच जाएगी। छत्तीसगढ़ सरकार के पास राशि की कमी नहीं है। सभी नगरीय निकायों के लिए उनकी मांगों और जरुरतों के मुताबिक राशि स्वीकृत की जा रही है।

खबर संक्षेप

टेकनेक के समाधान के लिए सम्मान

रायपुर। टेकनेक की समस्या का समाधान खोजने के लिए एम्स के चिकित्सक और आईआईटी भिलाई के इंजीनियर को पुरस्कृत किया गया है। डॉ. पुगझेंथन थंगाराजू और इंजीनियर डॉ. जोस इम्मानुएल को उनके नवाचारपूर्ण समाधान के लिए कॉपीराइट प्राप्त हुआ है। टेकनेक की समस्या आजकल एक चिंता का विषय बनती जा रही है।

निधन

लीलावंती विग

रायपुर। रायपुर निवासी लीलावंती विग का 21 अगस्त को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे जिला दवा विक्रेता संघ के उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी, विश्व जागृति मिशन के मीडिया प्रभारी व छत्तीसगढ़ पंजाबी सनातन सभा के पत्रिका सचिव अश्विनी विग, सुरेश विग एवं सतीश विग की माता थीं।

पं. अशोक त्रिवेदी

रायपुर। नयापारा निवासी कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के पूर्व सचिव एवं वरिष्ठ अधिवक्ता पं. अशोक त्रिवेदी का 21 अगस्त को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे रवि त्रिवेदी के पिता थे।

चित्रा राजेश्वर नामपल्लीवर

रायपुर। न्यू शांति नगर निवासी चित्रा राजेश्वर नामपल्लीवर का 20 अगस्त को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 21 अगस्त को मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे राजू नामपल्लीवर की पत्नी और अभिषेक, अमितेश की माता एवं दीपक, दिनेश, दिलीप और विजय की बड़ी भाभी थीं।

मनीष मिश्रा

रायपुर। प्रोफेसर कॉलोनी निवासी मनीष मिश्रा (50) का 21 अगस्त को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 22 अगस्त को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे केके मिश्रा के पुत्र और मोहित, रोहित के पिता थे।

राहुल श्रीवास्तव

रायपुर। स्व. लालू प्रसाद श्रीवास्तव के छोटे पुत्र और बीएस न्यूज के छायाकार राहुल श्रीवास्तव का मंगलवार को निधन हो गया। उनके निधन पर बुधवार को शाम 4 बजे रायपुर प्रेस क्लब में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राहुल श्रीवास्तव के निधन पर वीडियो जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों और रायपुर प्रेस क्लब के सदस्यों ने श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर शोक संतप्त परिवार को संबल प्रदान करने ईश्वर से कामना की।

मवेशियों के झुंड से शहरवासी हलाकान, दो पाली में धरपकड़ के लिए करना होगा इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी की सड़कों पर मवेशियों के झुंड ने जहां आम आदमी की चिंता बढ़ा दी है, वहीं सड़क पर मवेशियों के जमावड़े से होने वाले हादसे को लेकर हाईकोर्ट के फरमान के बाद भी निगम प्रशासन अब तक नहीं चेत पाया है। रिहाइशी इलाके में मवेशी मालिकों पर सख्त एक्शन के साथ व्यापक कार्ययोजना बनाने के मामले में अब तक तेजी नही आ पाई। पखवाड़ाभर बीतने के बाद भी शहर में दो पाली में मवेशी पकड़ने का अभियान शुरू नहीं हो पाया। इसका एक बड़ा कारण दस जोन में 10 काउकेचर तो उपलब्ध हैं, पर मवेशी पकड़ने दक्ष कर्मचारी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं।

शहर के रिहाइशी इलाकों सहित प्रमुख मार्ग व आउटर के क्षेत्रों में चौराहों पर मवेशियों की धमाचौकड़ी आए दिन दुर्घटना का कारण बन रही है। डगनिया पुरानी बस्ती, लाखेनगर, लिली चौक, शीतला मंदिर से महामाया मंदिर चौक, बूढ़ेश्वर मंदिर से ब्रम्हपुरी मार्ग, आमापारा चौक से बढ़ई पारा, रामसागर पारा, गुरुनानक चौक से रेलवे स्टेशन मार्ग के साथ शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र शास्त्री बाजार, गोलबाजार चौक, मालवीय रोड में सड़क यातायात बाधित कर रहे मवेशियों से दोपहिया, तिपहिया, चारपहिया चालक परेशान रहते हैं। यही नहीं, संबंधित मार्ग से गुजरने वाले लोगों को दुर्घटना का खतरा बना रहता है। निगम आयुक्त के निर्देश पर सभी जोन में आवारा मवेशियों को पकड़ने दो पाली में अभियान चलाने का निर्देश जारी हुआ, पर जोन स्तर पर मवेशी पकड़ने कर्मचारियों की कमी से वर्तमान में केवल एक पाली में मवेशियों की धरपकड़ का कार्य किया जा रहा है।

10 जोन में 10 काउकेचर, पर मवेशी पकड़ने अमला का टोटा

10 जोन में 10 काउकेचर मवेशी पकड़ रहे 40 से 50

नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा नगर निगम के दस जोन के स्वास्थ्य अमले को प्रत्येक जोन के हिसाब से एक-एक काउकेचर दिया गया है, जबकि आउटर के इलाके में स्थित जोन 9 के पास 2 काउकेचर उपलब्ध है। इसके बाद 10 काउकेचर से एक दिन में औसतन 40 से 50 मवेशियों की धरपकड़ हो पा रही है। वहीं शहर के रिहाइशी इलाके में बड़ी संख्या में सांड सड़क पर मंडराते देखे जा सकते हैं।

मवेशी पकड़ने 50 कर्मचारी, 10 वाहन चालक के लिए 27 को खुलेगा टेंडर

स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही के मुताबिक दो पाली में मवेशियों को पकड़ने अभियान चलाने 50 दक्ष कर्मचारी और 10 वाहन चालक प्लेसमेंट पर रखने के लिए टेंडर किया है। 27 को यह टेंडर खोला जायेगा। 2 माह की समय अवधि के लिए कलेक्टर दर पर इन कर्मचारियों को भुगतान होगा। प्रत्येक जोन के लिए और जोन 9 और जोन 10 के लिए 10-10 अतिरिक्त कर्मचारी उपलब्ध कराये जायेंगे।

होटल-ढाबा, कारखानों में खपाए जा रहे घरेलू सिलेंडर कमर्शियल गैस की कालाबाजारी, छापामारी में 55 जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

घरेलू एवं कमर्शियल गैस की कालाबाजारी न हो इसे लेकर सभी पेट्रोलियम कंपनियों की गैस एजेंसियों में गैस बुकिंग का सिस्टम ऑनलाइन कर दिया गया है। यही नहीं, गैस कार्ड के अनुसार उपभोक्ताओं को सिलेंडर मिल सके, इसके लिए कंपनियों के साफ्टवेयर में उपभोक्ताओं का सत्यापन का कार्य भी लगातार किया जाता है। हाल ही प्रदेशभर में गैस एजेंसियों द्वारा उपभोक्ताओं का केवाइसी कराकर ऑनलाइन रिकार्ड को अपडेट किया है, ताकि सिलेंडरों की कालाबाजारी पर पूरी तरह से अंकुश लगाया जाए। इन प्रयासों के बावजूद घरेलू एवं कमर्शियल गैस सिलेंडरों की लगातार कालाबाजारी हो रही है। खाद्य विभाग की छापामार कार्रवाई के दौरान इस कालाबाजारी का भंडाफोड़ हुआ है। विभाग की टीम ने शहर के अलग-अलग स्थानों पर संचालित ढाबा, होटल एवं कारखानों में छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से इस्तेमाल किए जा रहे 55 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इसके अलावा एक कारखाना से 17800 बदबूदार ज्वलनशील तैलीय पदार्थ जब्त किया है।

रायपुर जिले में संचालित गैस एजेंसियों में नियमों का पालन, गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी, कम वजन, होटल- ढाबा सहित अन्य कमर्शियल स्थानों पर प्रतिबंधित घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग, बिना लाइसेंस के 100 किलो से ज्यादा गैस का उपयोग करने आदि पर निगरानी-निरीक्षण कर कार्रवाई के लिए खाद्य विभाग द्वारा टीम गठित की गई है। टीम में शामिल सहायक खाद्य अधिकारी पवित्रा अहिरवार, भारती हर्ष के नेतृत्व में खाद्य निरीक्षक विवेक मिश्रा, वीणाकिरण साहू, श्रद्धा चौहान, शैलेंद्र एक्का, देवेश देवदास ने बुधवार को शहर में कुछ होटल-ढाबा और कारखाने में दबिश दी। इस दौरान होटल हाईवे इन में छापामारी करते हुए यहां से 16 सिलेंडर जब्त किए गए। इनमें इंडेन और गो गैस कंपनी के घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर भी हैं। इसी प्रकार सीजी-4 ढाबा से 21 सिलेंडर एवं अशोका बिरयानी तेलीबांधा से 18 सिलेंडर जब्त किए गए हैं।

17800 लीटर ज्वलनशील तैलीय पदार्थ भी जब्त, खाद्य विभाग की कार्रवाई

रबर कारखाना से 138 सिलेंडर जब्त

टीम ने सिलतरा स्थित अतुल रबर प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड में भी छापामार कार्रवाई की। इस दौरान यहां से 138 गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इनमें घरेलू और कमर्शियल दोनों सिलेंडर बरामद किए गए हैं। इसके अलावा टीम ने यहां से 17800 लीटर बदबूदार ज्वलनशील तैलीय पदार्थ भी जब्त किया है।

आवश्यक दस्तावेज पेश नहीं करने पर की गई कार्रवाई

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान होटल-ढाबा व कारखाना के संचालकों द्वारा कोई भी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किय गया। इससे साबित होता है कि सभी स्थानों पर अवैध रूप से सिलेंडरों का इस्तेमाल किया जा रहा था। टीम ने सभी सिलेंडर जब्त कर संचालकों के विरुद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) 2000 का उल्लंघन करने के मामले में कार्रवाई की गई।

एजेंसियां बेलगाम, विभाग अलर्ट

खाद्य विभाग की कार्रवाई से जिस तरह से अवैध गैस सिलेंडरों की जब्ती बनाई गई है, उससे यह स्पष्ट हो गया है कि ऑनलाइन सिस्टम होने के बाद भी कई एजेंसियों के संचालकों ने सिलेंडरों की कालाबाजारी करने का उपाय ढूंढ निकाले हैं, क्योंकि एजेंसियों के माध्यम से ही होटल, ढाबा और कारखानों में सिलेंडरों की डिलीवरी दी जाती है।

लाइसेंस निलंबन कार्रवाई का प्रावधान

छापामार कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से रखे सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इन प्रकरणों में सभी संचालकों को नोटिस जारी करेंगे। इसका जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर प्रावधान के तहत लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई करेंगे। सिलेंडरों की सप्लाई करने वाली गैस एजेंसियों का भी पता लगाया जा रहा है।

- भूपेंद्र मिश्रा, जिला खाद्य नियंत्रक

हाईवा की चपेट में आने से दो स्कूली छात्रों की मौत, आक्रोशित भीड़ ने लगाई आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर /आरंग

आरंग थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा में दो स्कूली छात्रों की मौत हो गई। छात्र बाइक से स्कूल जाने के लिए निकले थे। इस दौरान दोनों छात्र तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आ गए। एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, दूसरे छात्र ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ा। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने हाईवा को आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

- घटना आरंग थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह साढ़े 10 बजे की

पुलिस के मुताबिक उगतेरा निवासी 17 वर्षीय छात्र रूपेश साहू तथा 16 वर्षीय धीरज सेन पल्सर बाइक में सवार होकर तोरला स्थित हाईस्कूल जा रहे थे। रूपेश 10वीं तथा धीरज नौवीं का छात्र था। पुलिस के अनुसार हाईवा के साथ बाइक की रफ्तार काफी ज्यादा थी। छात्र ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान बाइक ट्रक से टकरा गई और दोनों छात्र बाइक से गिर गए और ट्रक के पिछले पहिये में आ गए। ट्रक की चपेट में आने से रूपेश की मौके पर ही मौत हो गई, धीरज की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

ग्रामीणों ने हाईवा को आग के हवाले किया

घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने चक्का जाम कर दिया और हाईवा में तोड़फोड़ करते हुए आग के हवाले कर दिया। ग्रामीण हाईवा चालक के साथ मारपीट कर रहे थे। इसी दौरान मौके पर पहुंचकर पुलिस हाईवा चालक को भीड़ से निकालकर थाने ले आई। चक्का जाम कर रहे ग्रामण पुलिस की समझाइश के बाद लौटे।

पेज 11 के शेष

600 वर्ष प्राचीन ...

रूप परिवर्तित होते-होते यह हटकेश्वरनाथ हो गया। जिस प्रकार से मंत्रों के गलत उच्चारण से पूर्ण लाभ नहीं मिलता है, उसी तरह से मंदिरों के गलत उच्चारण से भी वांछित फल नहीं मिलता है। इसे देखते हुए अब नाम परिवर्तित किया जा रहा है। मंदिर परिसर में लगे कुछ बोर्ड में नाम परिवर्तित किया जा चुका है, जबकि कुछ में इसकी तैयारी है। महादेव के सहस्त्रनामों में से एक हाटकेश्वरनाथ भी है। अर्थात महादेव को हाटकेश्वरनाथ भी कहा जाता है। महादेव के इस नाम के पीछे भी एक कथा है। श्रीमद्भागवत गीता के पांचवें स्कंध के 24वें अध्याय के 16वें श्लोक में महादेव के इस नाम का उल्लेख है। इसके मुताबिक, शिव सुतल लोक में भी अपने पार्षदों के साथ निवास करते हैं और यहां स्वर्ण की खान पाई जाती है। सुतल लोक पाताल लोक के दो तल नीचे है। सुतल लोक में सोने की प्रचुरता है। सोने को हाट भी कहा जाता है। इसके चलते यहां निवास करने के कारण महादेव का एक नाम हाटकेश्वरनाथ पड़ा।

रैप-सांग के ....

है। इसी के तहत पुलिस ने एक रैप सांग जारी किया है। इस वीडियो में निजात के तहत होने वाली कार्रवाई, नशे के दुष्परिणाम को दिखाया गया है कि कैसे गलत संगत में नशे का सेवन करने से होनहार युवक भटक जाता है।

किसी विषय में ...

ऐसे में गिनती के ही छात्रों के लिए परीक्षा लेना रविवि के लिए आर्थिक दृष्टिकोण से नुकसानदायक सिद्ध होता है।

पैनिक बटन नहीं ...

लगाने केंद्र सरकार ने सभी तरह के कमर्शियल यात्री वाहनों में अनिवार्य रूप से पैनिक बटन तथा वीएलटीडी लगाने के आदेश दिए हैं। केंद्र सरकार के इस आदेश का राज्य सरकार ने वर्ष 2023 में अमल में लाने का निर्णय लिया था। वर्ष 2023 तथा वर्ष 2024 के मई माह में विधानसभा तथा लोकसभा चुनाव होने की वजह से पैनिक बटन तथा वीएलटीडी लगाने के काम में तेजी नहीं आ पाई।

ऐसे काम करेगा सिस्टम : डॉयल-112 के अफसरों के अनुसार जिन बसों, यात्री वाहनों में पैनिक बटन तथा वीएलटीडी लगे होंगे, वह सॉफ्टवेयर के माध्यम से डॉयल-112 से जुड़ा रहेगा। विषम परिस्थिति में यात्री द्वारा पैनिक बटन दबाए जाने की स्थिति में वीएलटीडी के माध्यम से उस वाहन का लोकेशन ट्रेस हो जाएगा। इसके बाद डॉयल-112 के माध्यम से संबंधित क्षेत्र के थाने को तथा पेट्रोलिंग को कॉल कर सूचना दी जाएगी। इसके बाद जरूरत के हिसाब से मदद पहुंचाई जाएगी। **वर्ष 2019 के पूर्व वाहनों में भी पैनिक बटन:** गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 के बाद के वाहनों में अनिवार्य रूप से पैनिक बटन तथा वीएलडीटी लगाने के निर्देश दिए थे। वर्ष 2019 के पहले के वाहनों में पैनिक बटन तथा वीएलटीडी लगाने का निर्णय राज्य सरकार पर छोड़ दिया था। राज्य सरकार ने राज्य में संचालित वर्ष 2019 के पूर्व के सभी वाहनों में पैनिक बटन तथा वीएलटीडी लगावाने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार के इस निर्णय का बस ऑपरेटक विरोध भी कर रहे हैं।

अब तक एक भी शिकायत दर्ज नहीं : डॉयल-112 के अफसरों के मुताबिक जिन बसों में पैनिक बटन तथा वीएलटीडी लगे हैं। उसका ट्रायल किया गया है। अब तक के ट्रायल सफल रहा है। अफसरों के अनुसार पैनिक बटन के माध्यम से डॉयल-112 में अभी तक एक भी शिकायत नहीं आई है। गौरतलब है कि राज्य के ज्यादातर यात्रियों को अब तक पैनिक बटन तथा वीएलटीडी के बारे में जानकारी ही नहीं है। इस वजह से भी किसी ने पैनिक बटन का उपयोग नहीं किया है।

कड़ी धूप से ...

बुखार जैसी समस्या सामने आ रही है, जिसे लेकर अस्पताल में सरगर्मी नजर आ रही है। इधर तेज धूप के साथ उमस भरी गर्मी भी लोगों को हलाकान किए हुए हैं। राजधानी में पिछले चार दिन से बारिश नहीं हुई है और दो दिन से बादल और गर्जना से माहौल तो बन रहा है, मगर पानी नहीं बरस रहा है। बुधवार को भी दोपहर बाद काले बादल छाए और बादलों के बीच जमकर गर्जना हुई। इस दौरान यह उम्मीद जताई जा रही थी कि अच्छी बारिश होगी, मगर बूंदाबांदी भी नहीं हुई। इसके पूर्व तेज धूप की वजह से लोगों को गर्मी का अहसास हुआ और अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री बढ़कर 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अगस्त के महीने में इस तरह की स्थिति बनती रहती है और दिन का अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री तक पहुंच जाता है। अनुमान है कि गुरुवार से प्रदेश के मौसम में बदलाव नजर आ सकता है और अगले तीन दिन तक राज्य में व्यापक बारिश हो सकती है। **अब तक 855 मिमी. बारिश:** मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य में अब तक 855 मिमी. बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से तीन प्रतिशत ज्यादा है। रायपुर जिला 700 मिमी. वर्षा भले ही पांच फीसदी कम हो, मगर यह सामान्य स्थिति है। सबसे ज्यादा 43 प्रतिशत की कमी 487 मिमी. बारिश के साथ सरगुजा जिले में है, वहीं सबसे अधिक 72 फीसदी ज्यादा यानी 1746 मिमी. वर्षा बीजापुर में हो चुकी है। **24 को और सिस्टम:** मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 24 अगस्त को बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दाब का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके विकसित होने और आगे बढ़ने की दिशा आने वाले दिनों में स्पष्ट होगी। अभी बांग्लादेश के ऊपर एक चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है। इसके अगले चौबीस घंटे में पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने से बारिश की उम्मीद बन रही है।

नहीं होंगे छात्रसंघ चुनाव, मनोनयन से चुने जाएंगे प्रतिनिधि, अगस्त अंत तक पूरी करनी है प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में इस बार भी छात्रसंघ चुनाव नहीं होंगे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा पूर्व में जारी किए गए शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार, विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में 24 से 31 अगस्त के मध्य चुनाव प्रक्रिया पूर्ण करने निर्देश दिए गए हैं। अब तक चुनाव को लेकर कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है और ना ही किसी तरह की अन्य गतिविधि ही प्रारंभ की गई है। केवल 7 दिनों के अंतराल में नामांकन से लेकर अन्य सभी चीजें पूर्ण कर पाना संभव नहीं है। ऐसे में इस बार भी मनोनयन पद्धति के जरिए ही छात्रसंघ का गठन होगा।

- अंतिम बार 2016 में हुए थे छात्रसंघ चुनाव

विश्वविद्यालय और महाविद्यालय प्रबंधन अब उच्च शिक्षा विभाग से आदेश मिलने का इंतजार कर रहे हैं। निर्देश प्राप्त होते ही तय नियमों के मुताबिक कॉलेजों में मनोनयन प्रक्रिया पूर्ण होगी।

चुनाव को देखते हुए निर्णय

अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, प्रदेश में कुछ दिनों के अंतराल में नगरीय निकाय चुनाव और पंचायत चुनाव होने वाले हैं। इसे देखते हुए सरकार चुनाव कराने के मूड में नहीं है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस सरकार ने विधानसभा चुनाव के पूर्व अपने घोषणा पत्र में चुनाव कराने की बात कही थी। एनएसयूआई ने बीते दिनों हुई बैठक में इस मामले में सरकार को घेरने की योजना भी बनाई है। कॉलेजों में जाकर संवाद कार्यक्रम के तहत यह मुद्दा उठाया जाएगा। इसके लिए प्रदेशस्तर पर रूपरेखा बनाई जा रही है।

बिजनेस साइट

फ्रीडम एसआईपी के माध्यम से वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करें

रायपुर। क्या आप अपने परिवार को डिज्नी क्रूज पर ले जाने, लग्जरी कार खरीदने या अपने बच्चे को उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका भेजने का सपना देख रहे हैं? इन सपनों का जवाब है वित्तीय स्वतंत्रता ! वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने का मतलब है लगातार वित्तीय चिंताओं के बिना सपनों को हकीकत में बदलने के लिए संसाधन और स्थिरता होना। हालांकि, रिटायरमेंट, छुट्टियों, शिक्षा या लग्जरी के लिए वित्तीय फंड बनाना बहुत चुनौतीपूर्ण हो गया है। नौकरी की सुरक्षा अब गारंटी नहीं है, और यहां तक कि स्थिर रोजगार में भी अक्सर वृद्धि की कमी होती है। आर्थिक अस्थिरता और बाजार में उतार-चढ़ाव वित्तीय अस्थिरता में योगदान करते हैं। मुद्रास्फीति और रोजमर्रा की जिंदगी में बढ़ते खर्च बचत और डिस्पोजेबल आय को खत्म कर देती है, जिससे लॉन्गटर्म योजना बनाना, लगातार बचत करना और आत्मविश्वास से निवेश करना मुश्किल हो जाता है।

गिरवर प्रसाद सिन्हा
म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर, रायपुर

तो, कोई इन अनिश्चितताओं से कैसे निपट सकता है? स्थिर आय प्राप्त करने का एक प्रभावी समाधान आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड द्वारा पेश किया जाने वाला "फ्रीडम एसआईपी" है। फ्रीडम एसआईपी के माध्यम से, निवेशक नियमित रूप से एक सिस्टेमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से एक स्त्रोत योजना में निवेश करता है आम तौर पर एक इक्विटी योजना में, क्योंकि इक्विटी ने ऐतिहासिक रूप से अनुकूल रिस्क – एडजेस्टेड रिटर्न के साथ बेहतर लॉन्गटर्म रिटर्न प्रदान किया है। निवेशक की पसंद के आधार पर निवेश अवधि 8, 10, 12, 15, 20, 25 और 30 साल तक हो सकती है। एसआईपी अवधि पूरी होने पर, संपूर्ण फंड कॉर्पस को एक लक्ष्य योजना (आमतौर पर एक डेट फंड या अस्थिरता को कम करने के लिए कम इक्विटी जोखिम वाला फंड) में स्थानांतरित कर दिया जाता है । फिर निवेशकों को लक्ष्य योजना से जुड़ी एक सिस्टेमैटिक विड्राल प्लान (एसडब्ल्यूपी) के माध्यम से मासिक आय प्राप्त होती है। निवेशक एसडब्ल्यूपी के लिए राशि चुन सकते हैं, या वे एसडब्ल्यूपी राशि चुनने में विफल रहते हैं, तो उन्हें डिफॉल्ट एसडब्ल्यूपी राशि प्राप्त होगी ।

फ्रीडम एसआईपी दृष्टिकोण वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति एसआईपी के माध्यम से 10 वर्षों के लिए प्रति माह 10,000 रुपये का निवेश करता है, तो डिफॉल्ट एसडब्ल्यूपी राशि 15,000 रुपये प्रति माह हो सकती है। यदि निवेश को 30 वर्ष तक बढ़ाया जाता है, तो डिफॉल्ट मासिक एसडब्ल्यूपी राशि 1.2 लाख रुपये तक पहुंच सकती है। फ्रीडम एसआईपी के लाभ निवेश की गई राशि और निवेश अवधि के साथ बढ़ते हैं। उदाहरण के लिए, 8 साल की अवधि के साथ 20,000 रुपये मासिक फ्रीडम एसआईपी के माध्यम से 20,000 रुपये का लगातार डिफॉल्ट भुगतान प्रदान कर सकता है, जबकि 20 साल की अवधि के साथ 5,000 रुपये प्रति माह फ्रीडम एसआईपी मैच्योरिटी पर 25,000 रुपये का एसडब्ल्यूपी भुगतान प्राप्त कर सकता है ।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-16 सारागांव तहसील धरसींवां, जिला रायपुर

सीमांकन के संबंध में आम सूचना

दिनांक 20/08/2024

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्याम सिंह ठाकुर पिता पुष्कर सिंह निवासी टेकारी तह. धरसींवां जिला रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम टेकारी प.ह.नं. 23 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर 16 सारागांव स्थित खसरा नंबर 325/2 रकबा 0.3650 हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायाब तहसीलदार धरसींवां के आदेश दिनांक 18/06/2024 के परिपालन में दिनांक 27/08/2024 को समय 12 बजे के पश्चात किया जाना है। अतः उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति हो वे उक्त दिनांक/समय तक पटवारी हल्का नंबर 23 के बरौदा स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैद्य अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं।

बाद में किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. रायपुर-16 (सारागांव)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-16 सारागांव तहसील धरसींवां, जिला रायपुर

सीमांकन के संबंध में आम सूचना

दिनांक 20/08/2024

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका देवेन्द्र सिंह ठाकुर पिता स्व. श्री शिवनंदन सिंह निवासी टेकारी-2 तह. धरसींवां द्वारा आवेदित ग्राम टेकारी प.ह.नं. 23 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर 16 सारागांव स्थित खसरा नंबर 715/2 रकबा 0.0390 हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायाब तहसीलदार धरसींवां के आदेश दिनांक 18/06/2024 के परिपालन में दिनांक 27/08/2024 को समय 11 बजे के पश्चात किया जाना है। अतः उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति हो वे उक्त दिनांक/समय तक पटवारी हल्का नंबर 23 के बरौदा स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैद्य अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं।

बाद में किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. रायपुर-16 (सारागांव)

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवा रायपुर, अटल नगर रायपुर सेक्टर-29 में प्रकोष्ठ भवन क्रमांक - ई.डब्ल्यू. एस. फ्लैट (प्रथम - तल) - 12 / 108 को श्री मनमोहन साहू पिता स्व. श्री घनश्याम साहू, पताः - ग्राम - रजकट्टी, पोस्ट - जामगांव, तहसील - राजिम, जिला गरियाबंद (छ. ग.) के नाम पर एकमुश्त आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त प्रकोष्ठ भवन के विरूद्ध पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय रायपुर से रजिस्ट्री की कार्यवाही पूर्ण कर लिया गया है। पूर्ण राशि जमा कर फ्लैट का आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। श्री मनमोहन साहू पिता स्व. श्री घनश्याम साहू की मृत्यु दिनांक 15.09.2019 को हो गयी है । श्रीमती ममता साहू पति स्व. मनमोहन साहू ने अपने पति श्री मनमोहन साहू पिता स्व. श्री घनश्याम साहू, की मृत्यु होने के उपरांत उक्त प्रकोष्ठ भवन को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र के साथ, शपथ पत्र, सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है ।

उक्त प्रकोष्ठ भवन को श्रीमती ममता साहू पति स्व. मनमोहन साहू के नाम पर नामांतरण करने में किसी भी व्यक्ति, शासकीय / अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना,
नवा रायपुर, अटल नगर जिला - रायपुर (छ.ग.)

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवा रायपुर, अटल नगर रायपुर सेक्टर-29, में प्रकोष्ठ भवन क्रमांक - ई.डब्ल्यू. एस. फ्लैट (प्रथम - तल) - 12 / 104, को श्रीमती गंगा साहू पति स्व. श्री घनश्याम साहू पताः - ग्राम - रजकट्टी, पोस्ट - जामगांव, तहसील - राजिम, जिला - गरियाबंद (छ.ग.) के नाम पर एकमुश्त आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त प्रकोष्ठ भवन के विरूद्ध पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय रायपुर से रजिस्ट्री की कार्यवाही पूर्ण कर लिया गया है। पूर्ण राशि जमा कर फ्लैट का आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। श्रीमती गंगा साहू पति स्व. श्री घनश्याम साहू की मृत्यु दिनांक 13/09/2022 को हो गयी है। श्रीमती कल्पना चन्द्राकर पति चुकेश्वर चन्द्राकर ने अपने माता श्रीमती गंगा साहू पति स्व. श्री घनश्याम साहू की मृत्यु होने के उपरांत उक्त प्रकोष्ठ भवन को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र के साथ, शपथ पत्र, सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है ।

उक्त प्रकोष्ठ भवन को श्रीमती कल्पना चन्द्राकर पति चुकेश्वर चन्द्राकर के नाम पर नामांतरण करने में किसी भी व्यक्ति, शासकीय / अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना,
नवा रायपुर, अटल नगर जिला - रायपुर (छ.ग.)

खबर संक्षेप

छत्तीसगढ़ी फिल्म जवानी जिंदाबाद 23 को होगी प्रदर्शित

रायपुर। छत्तीसगढ़ी फिल्म जवानी जिंदाबाद 23 अगस्त को राजधानी के श्याम छबिगृह सहित प्रदेशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। युवाओं पर केन्द्रित इस फिल्म में रोमांस और कामेडी का तड़का दर्शकों को लुभायेगा। रायगढ़ और रायपुर में इस फिल्म की शूटिंग की गई है। 8 गानों से सजी फिल्म में प्रमुख कलाकार हैं, आकाश सोनी, लक्षित झांजी, ज्योत्सना ताम्रकार और सुमन पटनायक। निर्माता राधेश्याम चौधरी और निर्देशक गंगासागर पंडा की इस फिल्म में छालीवुड के मशहूर कलाकार पुष्पेंद्र सिंह, संजय महानंद, हर्षवर्धन पटनायक और पूरन किरी अनोखे किरदार में नजर आयेंगे। विलेन के रूप में लवनीत सिन्हा धूम मचाएंगे। फिल्म के निर्देशक गंगासागर पंडा ने पत्रकारों से चर्चा में बताया, इस बार हमने कॉमेडी जॉनर लिया है। यह फिल्म हंसी मजाक के साथ गहरा संदेश भी देगी। आजकल एजूकेशन पर यूथ का फोकस कम रहता है। कई तरह के एडिक्शन के कारण युवा भटक जाते हैं। वहीं, कुछ युवा ऐसे भी हैं, जिनके पास संसाधन नहीं होते, लेकिन उनका रुझान पढ़ाई में रहता है। हमारी फिल्म में दोनों तरह के युवाओं की साइकोलॉजी दिखाई गई है। विदित हो, इससे पहले गंगासागर ने वैदेही बनाई थी, जिसे खूब सराहा गया।

एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण एवं सम्मान समारोह 24 को

रायपुर। एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण एवं सम्मान समारोह का आयोजन 24 अगस्त को किया जा रहा है। सिटीजन स्कूल बजरंगनगर आमापारा द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम कारी तालाब गार्डन आमापारा में सुबह 10 बजे से होगा। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर व सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी शारदा अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में डीएसपी ललिता मेहर, एएसपी ममता देवांगन, जोन 7 कमिश्नर प्रीति सिंह सहित अन्य शामिल होंगे। कार्यक्रम में पूर्व भारतीय सैनिक एवं कारगिल योद्धा विजय डागा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

पुजारी पार्क से टैगोर नगर तक सड़क के दोनों ओर पौधारोपण

रायपुर। नगर निगम जोन 6 के शहीद पंकज विक्रम वार्ड स्थित पुजारी पार्क से टैगोर नगर मार्ग को हरा-भरा रखने बुधवार को सघन पौधारोपण किया गया। संभाग आयुक्त महादेव कावरे, नगर निगम सभापति प्रमोद दुबे, जोन अध्यक्ष निशा-देवेन्द्र यादव ने स्कूली बच्चों के साथ मिलकर अलग-अलग प्रजाति के पौधों का रोपण किया। टैगोर नगर गुलाब बाबा मंदिर के दोनों तरफ और पुजारी पार्क से टैगोर नगर चौक पर्यावरण संरक्षण के लिए करीबन 12 से 15 फीट ऊंचाई वाले कचनार, नीम, बादाम के पौधों का रोपण करने कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शास्त्री बाजार के चार मंजिला व्यावसायिक काम्प्लेक्स की 84 दुकानों के लिए नहीं आए खरीदार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शास्त्री बाजार में 17 करोड़ की लागत से नवनिर्मित चार मंजिला व्यावसायिक परिसर की दुकानों के लिए नगर निगम को खरीदार नहीं मिल रहे। 84 दुकानों के लिए बाजार विभाग द्वारा निकाले गये टेंडर के 10 दिन बाद भी इन दुकानों को कोई रिस्पांस नहीं मिलने पर अब नगर निगम इसके लिए सेकेंड कॉल करेगा। भूतल की एक दुकान 33 लाख रुपये, प्रथम तल की दुकान 24 लाख रुपये और द्वितीय तल की दुकान का रेट 21 लाख, तृतीय तल की दुकान का 18 लाख रुपये प्रीमियम की राशि रखी गई है। इसके अलावा निर्धारित राशि

का 2 फीसदी रकम किराए के रूप में देय होगी। दरअसल, नगर निगम की दुकानों में आरक्षण प्रक्रिया और दरों को लेकर खरीदार उत्साह नहीं दिखा रहे। शास्त्री बाजार के नये व्यावसायिक परिसर में 84 दुकानों के आवंटन को लेकर बाजार विभाग ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रक्रिया से टेंडर में आवेदन मंगाये। प्रथम बार किये गये इन दुकानों के टेंडर होने के 10 दिन बाद भी इन दुकानों को लेने खरीददारों ने रिस्पांस नहीं दिया। 21 अगस्त को निविदा भरने के आखिरी दिन कमोबेश यही स्थिति बनी रही। ऐसे में अब बाजार विभाग इसके लिए सेकेंड कॉल करेगा।

नई किराया नीति तय करने भेजा है प्रस्ताव

नगर निगम की खाली पड़ी दुकानों को किराये पर देने के लिए नई किराया नीति तय करने राज्य शासन के पास प्रस्ताव भेजा गया है। शासन स्तर पर मंजूरी लंबित है।

- **एजाज ढेबर,** महापौर, नगर निगम रायपुर

सालों से खाली पड़ी 106 दुकानें, किराए पर देने भाड़ा तय नहीं

शहर के अलग-अलग लोकेशन पर नगर निगम 100 से अधिक दुकानें सालों से खाली पड़ी है। इन दुकानों को 30 साल की लीज पर देने नगर निगम ने पूर्व में कई बार टेंडर किया, पर आफसेट रेट ज्यादा होने और प्रीमियम की अमानत राशि को देखते हुए ज्यादातर लोगों ने रिस्पांस नहीं दिया। नेताजी सुभाष स्टेडियम के भूतल पर निर्मित 4 दुकानें ऐसी है जिसके लिए 12 वीं बार निविदा आमंत्रित करने की नौबत आई। आरक्षण रोस्टर के हिसाब से इनमें से 2 दुकान अनारक्षित है, इसी तरह 1 दुकान अनुसूचित जनजाति और 1 दुकान अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित रखा गया है। दुकान की आफसेट दर 20 लाख से ज्यादा है। साथ ही प्रीमियम राशि का 25 फीसदी रकम अमानती राशि के रूप में जमा करना होगा। इसी तरह जवाहर बाजार में दर्जन भर से ज्यादा बड़े साइज के हॉल दूसरे व तीसरे माले में खाली पड़े हैं। जिसके लिए नगर निगम ने अब तक 12 बार निविदा निकाली इसके बाद भी व्यापारियों ने प्राइम लोकेशन के हॉल को लेने उत्साह नहीं दिखाया। हॉल का आफसेट रेट औसतन 1 करोड़ से भी ज्यादा रखा गया है। इसके साथ ही मोहबा बाजार, अग्रसेन मंगलम के बाजू में स्थित 9 दुकानें सालों से खाली है। कंकाली अस्पताल व्यावासयिक परिसर,जयस्तंभ चौक मल्टीलेवल पार्किंग, गांधी मैदान कांजी हाउस के पास स्थित दुकानों के लिए 13वीं बार टेंडर निकाला गया। नगर निगम की 100 से अधिक खाली दुकानों से हो रहे लगातार नुकसान को देखते हुए महापौर एजाज ढेबर की परिषद ने सामान्य सभा में इन दुकानों को किराये पर देने का प्रस्ताव पारित राज्य शासन के पास मंजूरी के लिए भेजा है। पर शासन स्तर पर किराये पर देने भाड़ा तय नहीं हो पाया है।

मोवा स्थित जोन 9 दफ्तर के सामने धरना, जमकर नारेबाजी की

रहवासियों ने किया जोन दफ्तर का घेराव

लभांडी और दलदल सिवनी के पीएम आवासीय परिसर में पानी का संकट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम जोन 9 क्षेत्र स्थित लभांडी की आदर्श संकल्प सोसाइटी फेज में प्रधानमंत्री आवासीय परिसर और दलदल सिवनी के पीएम आवास में रहने वाले लोगों ने पानी की समस्या को लेकर बुधवार को जोन दफ्तर का घेराव किया। इस मौके पर महिलाओं ने जोन दफ्तर के सामने खाली मटकी फोड़कर विरोध जताया। उनका कहना है, लभांडी की आदर्श संकल्प सोसाइटी फेज 2 परिसर में 500 परिवार रहते हैं। इनकी प्यास बुझाने पहले जोन से 8 टैंकर पानी की व्यवस्था की जाती थी, पर किराये के टैंकर को बंद कर अब सिर्फ 5 पानी टैंकर भेजा जा रहा है, जो बहुत कम है। पिछले 3 माह से पानी की समस्या बनी हुई है। लभांडी और दलदल सिवनी क्षेत्र स्थित प्रधानमंत्री आवासीय परिसर में पानी की समस्या से रहवासी त्रस्त हैं। निगम के अधिकारियों से शिकायत के बाद भी पानी

की समस्या दूर नहीं होने पर भुक्तभोगियों ने जोन दफ्तर का घेराव कर प्रदर्शन किया। लोगों ने बताया कि कुछ समय पहले ही लभांडी की आदर्श संकल्प सोसाइटी फेज 2 में सीवरेज का गंदा पानी बोरवेल में रिसकर जाने से 100 लोग डायरिया से पीड़ित हुए। तब नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर प्रभावित इलाके में निगम ने एटीएम वाटर मशीन लगवाई, पर यह मशीन 3 माह चलने के बाद खराब हो गई। इसे आज तक सुधारा नहीं गया। इससे इलाके में पानी की किल्लत बनी हुई है। क्षेत्र के रहवासी सूरज यादव का कहना है, पानी की समस्या दूर करने जोन कमिश्नर से लेकर निगम आयुक्त तक शिकायत की गई। इसके बाद भी पेयजल समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया।

नया बोरवेल कराएंगे

दलदल सिवनी और लभांडी क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित आवासीय परिसर में पानी की दिक्कत हो रही है। रहवासी इस बात को लेकर जोन दफ्तर आए थे, पानी की समस्या दूर कराने नया बोरवेल खनन कराया जाएगा। इस संबंध में मुख्यालय के विभागीय अधिकारी को अवगत करा दिया है।

- **संतोष पांडे,** कमिश्नर जोन 9, नगर निगम रायपुर

अमर पारवानी कैट के दूसरी बार वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स का नागपुर में चुनाव बैठक हुई। इसमें व्यापारिक मुद्दों पर चर्चा के बाद पदाधिकारियों के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। देशभर के सभी राज्यों से आए पदाधिकारियों ने अमर पारवानी को कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचित किया। यह दूसरा मौका है जब चैंबर के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचित हुए। श्री पारवानी ने बताया कि नई टीम का कार्यकाल 2 वर्ष का होगा। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी कैट के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। उनके निर्विरोध निर्वाचन होने पर कैट के चेयरमैन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंह देव, परमानंद जैन, प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र दोषी, वासु माखीजा, महामंत्री सुरिन्दर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन और कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बधाई दी है। अमर पारवानी ने बताया कि अखिल भारतीय स्तर पर कैट का नागपुर में चुनाव बैठक हुई। इसमें पदाधिकारियों के निर्वाचन में पूरे देश के सभी राज्यों से पदाधिकारियों ने भाग लिया। चुनाव अधिकारी सीए निखिलेश ठक्कर ने सभी प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की जांच कर निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण की। इसके बाद नई टीम की घोषणा की गई। इसमें बृजमोहन अग्रवाल, राष्ट्रीय चेयरमैन बीसी भरतिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण खंडेलवाल, राष्ट्रीय महासचिव, अमर पारवानी राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष और जितेंद्र गांधी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्विरोध चुने गये। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा व्यापारी हित में किये जा रहे कार्यो को ध्यान में रखते हुए चौथी बार कैट के राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया गया है।

■ नागपुर में हुई चुनाव के लिए बैठक, देशभर के सभी राज्यों से पदाधिकारी हुए शामिल

पहली पसंद रायपुर-बिलासपुर, जोखिम से बचने ज्यादा मेडिकल कालेजों का आप्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एमबीबीएस की पढ़ाई करने के लिए चिकित्सा छात्रों की पहली पसंद रायपुर और बिलासपुर मेडिकल कालेज है। एडमिशन के दौरान किसी भी तरह के जोखिम से बचने के लिए छात्रों द्वारा ज्यादा से ज्यादा कॉलेजों का आप्शन लिया जा रहा है। एमबीबीएस और बीडीएस एडमिशन के लिए अब तक तीन हजार से ज्यादा लोगों ने अपना पंजीयन कराया है। छत्तीसगढ़ में मेडिकल की पढ़ाई के लिए चिकित्सा छात्रों की प्राथमिकता रायपुर का पंडित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कालेज है। प्रवेश के लिए पंजीयन के दौरान 95 प्रतिशत छात्रों के च्वाइस फीलिंग के आप्शन में पहला नाम इसी कालेज का होता है। इसके बाद बिलासपुर के सिम्स को प्राथमिकता दी जाती है और तीसरे चौथे नंबर पर राजनांदगांव, अंबिकापुर जैसे अन्य कालेज आते हैं। काउंसिलिंग के लिए पंजीयन के दौरान पसंदीदा कालेजों की सीटें फुल होने पर दिक्कतें ना हो, इसके लिए छात्र-छात्राओं द्वारा ज्यादा से ज्यादा कालेजों के विकल्प दर्ज किया जा रहा है। राज्य में मेडिकल और डेंटल के शासकीय और निजी कालेजों में एडमिशन के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इसके लिए नीट में सफल छात्रों के पंजीयन और कालेजों के च्वाइस फीलिंग कर लॉकिंग की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पंजीयन 24 और च्वाइस फीलिंग लॉक करने की अंतिम तारीख 25 अगस्त निर्धारित है। अब तक तीन हजार से ज्यादा लोगों ने प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने के लिए अपना पंजीयन कराया है।

ज्यादा से ज्यादा विकल्प लें

पसंदीदा कालेज में एडमिशन नहीं मिलने पर दूसरे कालेजों का विकल्प रहना चाहिए। छात्रों को पंजीयन के दौरान ज्यादा से ज्यादा ऑप्शन लेना चाहिए जिससे उनकी पढ़ाई में किसी तरह की बाधा ना होगा।

- **डॉ. यूएस पैकरा,** संचालक, चिकित्सा शिक्षा

नीट टॉपर को रायपुर कालेज

सूत्रों के अनुसार नीट के परीक्षा में छत्तीसगढ़ में टॉप टेन में आने वाले छात्रों को रायपुर मेडिकल कालेज का आवंटन प्राप्त होगा। इसके बाद मेरिट सूची के आधार पर अन्य शासकीय और निजी कालेजों में सीटों का आवंटन किया जाएगा। सूत्रों की मानें, तो पहले राउंड में रायपुर-बिलासपुर के मेडिकल कालेज की 70 फीसदी सीटों पर एडमिशन का काम पूरा हो जाएगा। काउंसिलिंग की प्रक्रिया चार राउंड की काउंसिलिंग के माध्यम से पूरी की जाएगी।

घर के नजदीक कालेज भी पसंद

सूत्रों का कहना है कि रायपुर-बिलासपुर के सहित कुछ कालेजों के बाद चिकित्सा छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए उन कालेजों को पसंद करते हैं जो उनके घर के नजदीक हो। इसके साथ ही कुछ सीमित वर्ग के छात्रों द्वारा पढ़ाई के लिए निजी मेडिकल कालेजों को भी प्राथमिकता में रखा जाता है। निजी के साथ पिछले दो साल में खुले नए शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों की सीट को भरने के लिए काउसिलिंग कमेटी को मशक्कत करनी पड़ती है।

रायपुर में बंद का मिलाजुला असर, दोपहर बाद सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुले

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एसटी, एससी आरक्षण कोटे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर भीम आर्मी सहित कई संगठनों ने बुधवार को छत्तीसगढ़ के साथ रायपुर बंद का आव्हान किया। राजधानी में बंद का मिलाजुला असर रहा। बंद को देखते हुए शहर के प्रमुख चौराहों के साथ संवेदनशील स्थानों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। शहर के प्रमुख चौराहों पर सुबह से पुलिस की तैनाती की गई थी। गौरतलब है कि बंद को लेकर छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स ने समर्थन देने से इनकार कर दिया था। चैंबर ऑफ कामर्स द्वारा बंद को समर्थन नहीं दिए जाने की स्थिति में बंद आयोजकों में तथा कारोबारियों के बीच टकराव की स्थिति निर्मित न हो, इस बात को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। सुबह 11 बजे तक जयस्तंभ चौक, मालवीय रोड, एमजी रोड में बंद का असर देखा गया। बंद आयोजकों के लौटने के बाद कारोबारियों ने अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठान खोल दिए।

बसस्टैंड बंद से बेअसर

इंटर स्टेट बस टर्मिनल में बंद का किसी भी तरह से कोई असर देखने को नहीं मिला। इंटर स्टेट बस टर्मिनल में चाय नास्ता की दुकान लगाने वालों ने जरूर कुछ घंटे दुकान नहीं लगाई, बाद में सामान्य दिनों की तरह कामकाज हुए। इंटर स्टेट बस टर्मिनल में यात्री बसें सामान्य दिनों की तरह आवाजाही करती रहीं।

पेट्रोल पंप, शराब दुकानें खुली रहीं

बंद का असर पेट्रोल पंप के साथ ही शराब दुकानों में देखने को नहीं मिला। पेट्रोल पंप तथा शराब दुकानें सामान्य दिनों की तरह संचालित होती रहीं। शराब दुकान में प्रदर्शनकारी किसी तरह से कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएं, इस बात को ध्यान में रखते हुए शराब दुकान के आसपास पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी।

सुबह से घूमते रहे प्रदर्शनकारी

बंद का आव्हान करने वाले सुबह से ही बाइक में घूम घूमकर कारोबारियों से अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद करने अपील कर रहे थे। जिस रास्ते से प्रदर्शनकारी जाते थे, उस मार्ग में कारोबारी जरूर कुछ देर के लिए दुकान बंद कर देते थे। प्रदर्शनकारियों के जाने के बाद दुकान खोल लेते थे। बंद को लेकर किसी भी तरह की विवाद की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई।

शैक्षणिक संस्थानों में भ्रम की स्थिति

बंद को लेकर वहीं शैक्षणिक संस्थानें बंद रहीं, जिन्होंने बंद के पूर्व अपने शैक्षणिक संस्थान बंद रखने की घोषणा की थी। इसके साथ ही ऐसे शैक्षणिक संस्थान जो पूर्व में किसी भी तरह से बंद की घोषणा नहीं की थी, वह सभी शैक्षणिक संस्थानें खुली रहीं। विधानसभा मार्ग की ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानें बंद रहीं।

4 महीने से नगर निगम की सामान्य सभा नहीं, भाजपा पार्षद दल सभापति से मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे के नेतृत्व में भाजपा पार्षद दल नगर निगम सभापति प्रमोद दुबे से मुलाकात करेगा। नगर निगम की सामान्य सभा जल्द बुलाये जाने की मांग को लेकर सभापति को पत्र सौंपा जायेगा। रायपुर नगर निगम की सामान्य सभा में हो रही देर को लेकर विपक्ष नेता प्रतिपक्ष के साथ मिलकर निगम सभापति प्रमोद दुबे से जल्द मुलाकात करेगा। नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने हरिभूमि को बताया कि शहरी विकास से जुड़े अहम मुद्दों को सदन में उठाने नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक नियमतः हर 2 माह में आयोजित होना जरूरी है, पर महापौर एजाज ढेबर और उनकी परिषद द्वारा 4 माह के बाद भी नगर निगम की सामान्य सभा अब तक नहीं बुलाई गई, जबकि दिसंबर में नगरीय निकाय चुनाव प्रस्तावित है। ऐसे में भाजपा पार्षद दल सामान्य सभा बुलाने की मांग करने सभापति प्रमोद दुबे से मुलाकात कर पत्र सौंपेगा। उनका ये भी कहना है एक तरफ महापौर धड़ाधड़ एमआईसी की बैठक बुला रहे हैं। वहीं 70 पार्षदों को शहर विकास से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखने का मौका नहीं दे रहे। इससे शहर विकास से जुड़े एजेंडे पर चर्चा नहीं हो पा रही है। इसीलिए बिना देर किये नगर निगम की सामान्य सभा की तारीख जल्द घोषित करने निगम सभापति को भाजपा पार्षद दल पार्षदों के हस्ताक्षर युक्त पत्र सौंपेगा।

■ नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे के नेतृत्व में जल्द सामान्य सभा बुलाने की मांग के लिए सौंपेंगे पत्र

हाई ब्लड प्रेशर को न करें अनदेखा : डॉ. जैन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हाई ब्लड प्रेशर, जिसे सामान्य भाषा में हाईपरटेंशन भी कहा जाता है एक गंभीर स्वास्थय समस्या है, जिसका प्रभाव शरीर के बाकी अंगो के अलावा मुख्य रूप से हृदय एवं मस्तिष्क में होता है, हाई ब्लड प्रेशर मुख्य रूप से हृदय की मांसपेशियों पर प्रभाव डालता है जो हार्ट अटैक का कारण बन सकता है। हाई ब्लड प्रेशर से मस्तिष्क की धमनियां भी कमजोर हो जाती है। जिससे ब्रेन स्ट्रोक का भी खतरा बढ़ जाता है। ये बातें उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ जिनेश जैन ने कहा।

उन्होंने आगे कहा कि हाई ब्लड प्रेशर को अनदेखा नहीं करना चाहिए, ब्लड प्रेशर की नियमित जांच जरूरी है जैसे बीपी नापना। ईसीजी में किसी भी प्रकार के परिवर्तन में इको या टीएमटी की जांच करानी चाहिए। ज्यादा बीपी वाले मरीजों को प्रतिदिन दवाईयों का सेवन करना चाहिए एवं भविष्य में होने वाले किसी भी प्रकार की हृदय रोग की समस्या से बचा रहना चाहिए। उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ विनोद सिंह ने कहा कि हमे गर्व है कि रायपुर की जनता के लिए हमने उच्चस्तरीय हृदय रोग सेंटर स्थापित किया है।

बिजनेस साइट

मैट्स विश्वविद्यालय में दीक्षारम्भ कार्यक्रम की हुई शुरुआत

रायपुर। मैट्स विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर गुल्लू आरंग में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए सात दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम की भव्य शुरुआत की गई। यह कार्यक्रम शिक्षा मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार

आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को स्कूल शिक्षा से उच्च शिक्षा की ओर मार्गदर्शित करना और उन्हें नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों से जोड़ना है। इस अवसर पर कुलाधिपति गजराज पगारिया ने विद्यार्थियों को चांसलर स्कालरशिप, फ्री बस सेवा, वातानुकूलित क्लासरूम और उच्च प्रशिक्षित शिक्षकों जैसी सुविधाएं प्रदान की हैं, जो उनके सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। कुलसचिव गोकुलानंद पंडा ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और स्कूली शिक्षा के बीच अंतर स्पष्ट किया और उन्हें आगे बढ़ने का मार्गदर्शन प्रदान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. के पी यादव ने विद्यार्थियों को उनकी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और कड़ी मेहनत और नए प्रयोगों पर ध्यान देने की सलाह दी।

अविनाश ग्रुप ने सभी सोसाइटियों में धूमधाम से मनाया सावन मेला

रायपुर। अविनाश ग्रुप ने हाल ही में अपनी सभी सोसाइटियों में सावन मेला आयोजित किया। जिसमें सभी निवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भरपूर मजा लिया। इस मेले में कई खेल, मनोरंजक गतिविधियां और बहुत सारी मस्ती शामिल थी, जिसने सभी को उत्साहित किया। महिलाओं ने विशेष रूप से बड़ी संख्या में भाग लिया और पारंपरिक खेलों से लेकर आधुनिक गतिविधियों तक का आनंद लिया। मेले में सभी प्रतिभागियों को उपहार और पुरस्कार भी प्रदान किए गए, जिससे उनकी खुशी दोगुनी हो गई। यह मेला केवल मनोरंजन का साधन नहीं था, बल्कि एक ऐसा अवसर था जब लोगों ने एक-दूसरे के साथ मिलकर अपने रिश्ते और यादें ताजा कीं। अविनाश ग्रुप का यह मेला सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने और निवासियों के जीवन में खुशियां लाने के प्रयास का हिस्सा है।

गुम की सूचना

फ़ार्म फेटे फ़ार्म हाउस के पीछे नदी के पास, ग्राम कुरुद, मंदिर हसौद में दिनांक 31.07.2024 को Apple Iphone 13 Pro Max (गोल्ड कलर) का मोबाइल गुम गया है । जो भी व्यक्ति वापस लाके देगा उसको 30,000/- रुपए नगद इनाम दिया जाएगा । लाने वाले का पहचान नहीं बताया जाएगा ।

संपर्क: 7777857120

By Train-रिजर्वेशन कोच
22 अगस्त से 03 सितम्बर 2024,
18 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024,
09 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2024
06 नवम्बर से 18 नवम्बर 2024
सुविध ज्यादा सबसे कम राशि पर
नेपाल विदेश यात्रा
अयोध्या (श्रीराम जन्मभूमि), वाराणसी (काशी विश्वनाथ), गोरखनाथ मंदिर, पशुपतिनाथ, लुम्बिनि (भगवान बुद्ध का जन्म स्थान), माँ मनोकामना देवी, पोखरा (गुप्तेश्वर महादेव, डेविड फाल, विंध्यवासिनी मंदिर, फेवालेक), काठमांडू (भोलेनाथ मंदिर, बुढ़ानिलकंठ, सांघा), काठमांडू दरबार, भक्तपुर, जनकपुर (सीता मईया का जन्म स्थल), सीतामणी
राशि:-स्लीपर 18500/- 3 एसी 27,500/-2 एसी 30,500/-(+ 5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा
RAIPUR- D 36 Sector 4 Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

हरिभूमि

रायपुर, गुरुवार 22 अगस्त 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

नए इस्कॉन मंदिर में श्री श्री राधा रासबिहारी का गर्भगृह एसी युक्त है। इसमें उनका हर दिन अलग पोशाक व श्रृंगार में लोग दर्शन प्राप्त करेंगे। माह के प्रत्येक दिन के लिए भिन्न-भिन्न पोशाक निर्धारित हैं। अर्थात लड्डू गोपाल के दर्शन माह के प्रत्येक दिन अलग-अलग पोशाक में होंगे।

माह के प्रत्येक दिन पृथक पोशाक धारण करेंगे रासबिहारी

नजर आएगी वृंदावन व मुंबई के कलाकारों की कारीगरी

नए श्रीधाम में पोशाक रखने आलमारी व आभूषण रखने के लिए लॉकर

रायपुर। शहर के टाटीबंध स्थित नए इस्कॉन मंदिर में 25 से 27 अगस्त तक यानी तीन दिन श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव एवं भजन संध्या की अलख जगेगी। इसके लिए अभी से तैयारियों का दौर शुरू हो गया है। यह पहला अवसर होगा जब करीब चार एकड़ एरिया में नव निर्मित मंदिर में लोगों को भव्य उत्सव मनाने का अवसर मिलेगा। इसके लिए वृन्दावन धाम से राधारानी एवं रासबिहारी की पोशाक ही नहीं बल्कि खास तौर से डिजाइन किए गए आभूषण भी वृन्दावन धाम व मुंबई से मंगाए गए हैं। इनका निर्माण डायमंड एवं गोल्ड से किया गया है। इनमें रासबिहारी का मुकुट, कुंडल व आभूषण इस बार खास होंगे।

पोशाक व आभूषणों को रखने के लिए नए मंदिर में अलग से कक्ष तय किया गया है। इसमें आलमारी और लॉकर की व्यवस्था की गई है। श्री श्री राधारास बिहारी को हर दिन सजाने के लिए विशेष तौर से तैयार करवाए गए पोशाक को वृन्दावन और मुंबई से मंगाया गया है। मंदिर में भजन-कीर्तन के लिए भी हाईटेक साउंड सिस्टम लगवाया है।

पोशाक के साथ खास तरह से डिजाइन किए गए आभूषण

बाल महोत्सव व फैंसी ड्रेस

इस बार कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का शुभारंभ 25 अगस्त की शाम 4 बजे बाल महोत्सव फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता से होगा। वहीं 26 अगस्त यानी सोमवार को मंगल आरती से 4.30 बजे पूजा-अर्चना एवं तुलसी आरती के बाद श्रृंगार एवं धूप आरती भक्तों की विशाल मौजूदगी में की जाएगी। दिनभर चलने वाले भक्तिमय आयोजन में शाम 6 से रात 10 बजे तक भजन संध्या में स्थानिय भजन गायकों की टोली द्वारा भावपूर्ण प्रस्तुति श्रोताओं के बीच इस बार भी दी जाएगी।

निखिल व श्याम की जोड़ी पेश करेगी भजन

जन्माष्टमी महा महोत्सव के मुख्य आयोजन में सुबह मंगल आरती से शाम को शयन आरती के बीच दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को इस बार नए श्रीधाम में पुख्ता इंतजाम के साथ अलग माहौल भी मिलने वाला है। इस बार शाम 6 से रात 10 बजे तक राजनांदगांव के जाने-माने भजन गायक निखिल व श्याम की जोड़ी कृष्ण रस में श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने के लिए आमंत्रित है। इसके लिए मंदिर के बाहर अलग से सर्व सुविधायुक्त डोम पहले से ही तैयार कर लिया गया है।

भोग बनाने अलग से रसोई

नए श्रीधाम में राधारास बिहारी के आभूषण को रखने के लिए एक अलग से कमरा तय किया गया है। जिसमें पोशाक रखने के लिए आलमारी और श्रृंगार सामग्री रखने के लिए लॉकर भी खास तौर से तैयार किया गया है। जिम्मेदारों ने पोशाक एवं श्रृंगार के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्री के बारे में कहा कि इस बार उत्सव में हर दिन भक्तों को प्रभु का स्वरुप मनमोहक मिलेगा। भोग तैयार करने के लिए मंदिर में ही अलग से रसोई का इंतजाम किया गया है।

गेंदा, चमेली व गुलाब से सजावट

श्री श्री राधा रासबिहारी के गर्भगृह को प्रति दिन कोलकाता से मंगाए गए गेंदा, जमेली, सेवंती, गुलाब, रातरानी से सजाया जा रहा है। फूलों का उपयोग ज्यादा होने से इसे बाहर से आर्डर करके मंगाते हैं। गर् गृह को सजाने में मोर पंख का उपयोग किया जा रहा है। भक्तों को आरती-पूजन व भजन की सुमधुर ध्वनी सुनाई दे, इसके लिए हाईटेक साउंड सिस्टम लगा है। मंदिर में शुद्ध हवा के लिए डाक्टिंग सिस्टम कूलर से कवर किया गया है। सागौन की लकड़ी का उपयोग कर दरवाजे व खिड़की को वृन्दावन की तरह तराशा है।

एज्यूकेशन अपडेट

1963 छात्रों को सीट आबंटित दस्तावेज परीक्षण होंगे 23 तक

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 39 शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के बीएससी कृषि (ऑनर्स) स्नातक पाठ्यक्रम में नवीन शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया जारी है। 1963 अभ्यर्थियों को सीटों का आबंटन किया जा चुका है। इनमें से 490 अभ्यर्थियों ने दस्तावेज परीक्षण करवा लिया है एवं 87 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन फीस जमा कर दिया है। अन्य सीटों के लिए दस्तावेज परीक्षण की प्रक्रिया जारी है। जिन अभ्यर्थियों को सीट आबंटित हुई है उन्हें 23 अगस्त तक दस्तावेज परीक्षण के लिए कृषि महाविद्यालय में प्रातः 9 बजे से सायं 5:30 बजे तक उपस्थित होना होगा। आबंटित प्रोविजनल सीट को सुरक्षित करने के लिए अभ्यर्थियों को 24 अगस्त तक ऑनलाइन फीस जमा करना अनिवार्य होगा।

27 को अपलोड होगी रिक्त सीटों की जानकारी

सीट आबंटन के पश्चात यदि अभ्यर्थी किसी कारण से सीट सुरक्षित नहीं कर पाता है और आगामी चरण की काउंसिलिंग में भाग लेना चाहता है तो इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऐसे अभ्यर्थी जिन्हें अभी तक कोई सीट आबंटित नहीं हुई है, उन्हें भी स्पॉट एवं कन्वर्शन काउंसलिंग के लिए 20 से 25 अगस्त के मध्य ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यदि अभ्यर्थी सीट सुरक्षित करने के पश्चात सीट निरस्त करना चाहता है और आगे किसी भी प्रक्रिया में भाग नहीं लेना चाहता है तो इसके लिए 20 से 25 अगस्त के मध्य सीट निरस्त करनी होगी। आबंटित एवं रिक्त सीटों की जानकारी 27 अगस्त को उपलब्ध कराई जाएगी।

लाइव इवेंट

राजधानी में सजेगा युद्ध का मैदान पहुंचेंगे तोप, टैंक व मारक मिसाइल

रायपुर। शहर के लोगों को पहली बार ऐसा अवसर मिलने वाला है, जब वे युद्ध के मैदान में देश के जवानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले अस्त्र-शस्त्र को प्रदर्शनी में जाकर करीब से देख सकेंगे। इसके पहले कम ही लोगों को सेना द्वारा युद्ध में उपयोग किए जाने वाले विमान की झलक देखने का मौका मिला होगा। इस प्रदर्शनी को देखने के लिए लोगों को अभी इंतजार भी करना होगा, क्योंकि 'नो योर आर्मी' की प्रदर्शनी में सजने वाले तोप, टैंक के साथ ही हवा में मार करने वाले विमान को साइंस कॉलेज मैदान में 5 और 6 अक्टूबर को सजाने के लिए अभी तैयारियों का दौर ही शुरू हुआ है। एडिशनल एसपी दौलत राम पोर्ते ने बताया कि प्रदर्शनी में लोगों को सेना के पराक्रम से जुड़ी जानकारी भी मिलेगी।

विभिन्न स्थानों से मंगाए जाएंगे हथियार

'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी को युद्ध मैदान की तरह सजाया जाएगा। इसे देखने के लिए आने वाले लोगों को युद्ध के मैदान में जिस तरह की तैयारी होती है, कुछ उसी तरह का नजारा देखने को मिलेगा। यहां सितंबर के बाद से ही नया लुक देने की योजना बनेगी। कहां-कहां से युद्ध में उपयोग होने वाले अस्त्र-शस्त्र आएंगे, इसकी रुपरेखा तय होगी। इसके साथ लोगों को प्रदर्शनी के बारे में जानकारी देने के लिए शेड्यूल भी जारी किया जाएगा। आयोजन स्थल पर बाहर से आने वालों को ठहरने के लिए भी इंतजाम किया जाएगा।

लेजर व डॉग शो होगा खास : इस कार्यक्रम में प्रदर्शित किया जाने वाला युद्ध टैंक, तोप, हवा में मार करने वाले हथियार, ब्रिजिंग इक्विपमेंट सहित हथियारों को बाहर से भी मंगाया जाएगा। इसमें डॉग शो, लेजर-शो के साथ ही आर्मी में बजने वाले आकर्षक बैंड शो के दृश्य भी अलग-अलग दिन साइंस कॉलेज मैदान में लोग देखेंगे।

कैंपस इवेंट

स्टार्टअप के लिए प्लानिंग अहम मार्केट रिसर्च पर भी करें फोकस

रायपुर। दिशा कॉलेज में विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर सेमिनार का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉक्टर एके तिवारी ने कहा, परिवार और समुदाय को अपने साथ जोड़कर सही योजना के साथ व्यावसायिक तकनीकी और जीवन कौशल विकसित करें और लक्ष्य को निर्धारित कर स्टार्टअप करें। इसके साथ विद्यार्थियों द्वारा नए-नए बिजनेस को कैसे स्टार्ट किया जाए और नए-नए इनोवेशन और आइडिया को मूर्त रूप प्रदान करें, इसके लिए भी टिप्स दिए गए। मुख्य वक्ता के रूप में एक निजी फायनेंशियल सर्विस के मैनेजिंग डायरेक्टर पीके निमोंकर उपस्थित रहे। उन्होंने भी स्टार्टअप और बिजनेस को लेकर विचार साझा किए।

विचारों को सही तरीके से दें मूर्त रूप

बिजनेस स्टार्ट कैसे करें इस पर अपनी बात रखते हुए विशेषज्ञों ने बताया कि स्वयं का स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्लानिंग जरूरी है। इसके लिए उन्होंने बिजनेस आइडिया, आइडिया को इंप्लीमेंट करने के लिए बिजनेस प्लान और उसके बाद मार्केट रिसर्च को क्रमवार समझाया। उन्होंने उद्यमिता की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने पर जोर दिया। छात्रों ने इसमें विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने इससे जुड़े कई तरह के सवाल भी पूछे। संचालक सिद्धांत बलिया द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन डॉ.ए.पूजा नारायण ने किया। विद्यार्थियों के साथ कॉलेज के सभी प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

एएमजी अर्थात अवॉइड, मिनिमाइज और जनरेट सिद्धांत अपनाकर घटा सकते हैं ऊर्जा का प्रयोग

रायपुर। एनआईटी में संस्थान के 'गो ग्रीन क्लब' द्वारा जलवायु परिवर्तन विषय पर इंटरेक्शन सेशन का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के फाउंडर, आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर और भारत के सोलरमैन कहे जाने वाले डॉ. चेतन सिंह सोलंकी रहे। डॉ. सोलंकी ने पर्यावरण परिवर्तन और इसके उपायों को छः बिंदुओं की सहायता से समझाने का प्रयास किया। उन्होंने क्लाइमेट चेंज को परिभाषित करते हुए बाढ़ों की बढ़ती संख्या, समुद्री जलस्तर का बढ़ना, नॉर्थ पोल से बर्फ का धीरे-धीरे कम होना और बढ़ती हुई जंगलों की आग जैसी गंभीर समस्याओं पर प्रकाश डाला।

भारत के सोलरमैन चेतन सिंह पहुंचे शहर

उन्होंने बताया कि समुद्री जलस्तर प्रतिवर्ष 4.5 मिमी की दर बढ़ रहा है और कई बड़े शहर डूबने की कगार पर है। पिछले कुछ दशकों में यह जलस्तर 102.5 मिमी बढ़ चुका है। इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान समय में सुंदरवन डेल्टा में द्वीपों के जलमग्न होने, बाढ़ और जंगल की आग जैसी परिस्थितियों की संख्या पांच गुना बढ़ने पर बात की। उन्होंने बताया कि हम वातावरण में कम से कम 300 साल तक रहने वाली कार्बनडाई ऑक्साइड जैसी ग्रीन हाउस गैसें वातावरण में छोड़ रहे हैं। इससे धरती का तापमान 1.44 डिग्री तक बढ़ चुका हैं। उन्होंने ऊर्जा उपयोग के तरीकों को बदलने की अपील की।

सप्ताह में एक दिन पहने बिना इस्त्री किए कपड़े

उन्होंने सभी से अपने ऊर्जा के उपभोग को नियंत्रण में लाने और अपने घर में ही ऊर्जा के उत्पादन का सुझाव दिया। इसके बाद उन्होंने ऊर्जा संरक्षण के लिए एएमजी अर्थात अवॉइड, मिनिमाइज और जनरेट सिद्धांत सुझाया जो कि ऊर्जा के उपयोग के हिस्से को टालने, ऊर्जा उपभोग को हिस्से से कम करने और अपने उपयोग की ऊर्जा के हिस्से का स्वयं उत्पादन करने में सहयोगी रहेगा। उन्होंने ऊर्जा शिक्षा प्रदान करने, सप्ताह में एक दिन बिना इस्त्री किए कपड़े पहनने जैसे कई क्रांतिकारी सुझाव दिए। जिससे ऊर्जा संरक्षण हो सके। इनफोर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ.जीपी गुप्ता सहित एनआईटी के अन्य प्राध्यापक व छात्र मौजूद रहे।

एम्स ने दिए हार्टअटैक से बचाने टिप्स

रायपुर। भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अर्थात द्वारा नर्सिंग छात्रों के लिए खास तरह की वर्कशॉप रखी गई। इसमें उन्हें सीपीआर की ट्रेनिंग देते हुए बताया गया कि यदि किसी व्यक्ति को हार्ट अटैक आ जाए तो उसकी जान बचाने के लिए किस तरह के जतन किए जा सकते हैं। इस दौरान एम्स से डॉ.अरुणिता, डॉ.दिपाली, डॉ. आर्ची साहू सहित अन्य विशेषज्ञ मौजूद रहे। स्कोप कॉलेज ऑफ नर्सिंग इंस्टिट्यूट डूमरतालाब के छात्रों, शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक स्टाफ के लिए यह वर्कशॉप रखी गई।

भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के विशेषज्ञों ने बताया कि अचानक से यदि किसी व्यक्ति को हार्ट अटैक आ जाए या वह बेहोश हो जाए तो प्राथमिक उपचार के दौरान सीपीआर देकर उस व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। इस ट्रेनिंग सेशन में छात्रों और नर्सिंग कॉलेज के स्टाफ को सीपीआर देने की ट्रेनिंग भी करई गई। छात्रों ने एम्स विशेषज्ञों से सवाल भी पूछे।

गोलबाजार में सजी मुख्य पूजन सामग्री की दुकानें, महिलाएं संतान के लिए रखेंगी व्रत

रविवार को सूर्योदय से पहले समाप्त हो जाएगी षष्ठी तिथि कमरछठ व्रत शनिवार को, पसहर चावल 160 रुपए किलो

कार्नर न्यूज

रायपुर। हलषष्ठी व्रत महिलाओं द्वारा बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य व उन्नति के लिए रखा जाता है। प्रदेश की महिलाओं द्वारा विशेष पूजन सामग्री के साथ यह व्रत पूर्ण किया जाता है। पुरानी बस्ती स्थित महामाया देवी मंदिर के पुजारी मनोज शुक्ला ने बताया, हलषष्ठी सगरी पूजन 24 अगस्त शनिवार को दोपहर एक बजे से मंदिर परिसर में होगा। रविवार 25 अगस्त को षष्ठी तिथि सूर्योदय से पहले ही समाप्त होने के कारण इस वर्ष शनिवार 24 अगस्त को मनाया जा रहा।

फूटकर व्यापारियों ने बताया, हलषष्ठी के लिए गोलबाजार से मुख्य पूजन सामाग्री की खरीदारी की जा रही है। इसमें पसहर चावल, लाई, चुकिया, महुआ मुख्य रुप से शामिल है। प्रत्येक वर्ष पसहर चावल की खरीदी हलषष्ठी से 10-15 दिन पहले ही शुरु हो जाती है। पसहर चावल की कीमत इन दिनों मार्केट में 100-160 रुपए किलो है। वहीं महुआ 70 रुपए किलो, लाई 120 रुपए किलो और चुकिया-50-60 रुपए दर्जन बिक रही है।

बीते वर्ष की तुलना में खरीदी कम

व्यापारी अहिल्या ढीमर ने बताया, दुकान में पसहर चावल, लाई, महुआ लाया गया है। जिसमें लाई और महुआ की खरीदी लोग कर रहे हैं। इस वर्ष चावल 30 से 40 रुपए पाव है। लाई भी 30 रुपए पाव है। गोलबाजार में मुख्य बाजार सजाया गया है। बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष पूजन सामाग्री की खरीदी कम है।

तीन प्रकार के पसहर चावल

दुकान संचालक रंभा ने बताया, दुकान में 3 प्रकार के पसहर चावल मौजूद है। इसमें सभी चावलों की कीमत अलग-अलग है। इसमें लाल पसहर चावल 160 रुपए किलो है। अन्य चावल 100 से 120 रुपए किलो तक है। पिछले साल की तुलना में चावल की कीमत में कोई अंतर नहीं आया है। अन्य सामाग्री की कीमतों में इजाफा हुआ है। इस वर्ष महुआ की कीमतें बढ़ी हैं। वहीं चुकिया की कीमत 300 रुपए में 100 नग है। चिल्हर में लेने पर इसकी कीमत अधिक है।

दोगुनी हुई चुकिया की कीमत

प्रमिला बीते कई वर्षों से त्यौहार के अवसर पर स्टॉल सजा रही हैं। वे बताती हैं, पिछले साल चुकिया की कीमत 30-40 रुपए दर्जन थी, इस वर्ष 60 रुपए दर्जन तय है। चावल की क्वालिटी के अनुसार कीमतों में भी अंतर है। 100 रुपए किलो पसहर चावल की कीमत है। गोलबाजार के थोक व्यापाकियों व कुम्हार से भी पूजन सामग्री की खरीदी की गई है।

सामूहिक पूजन का आयोजन

मंदिरों से लेकर कॉलोनियों में महिलाओं द्वारा सामूहिक पूजन का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां भी पूरी की जा चुकी हैं। मंदिर प्रबंधन द्वारा भी इसकी व्यवस्था करते हुए भक्तों को पूर्व में ही सूचित किया जा रहा है ताकि पूजन के दिन महिलाओं को किसी तरह का कष्ट ना हो।

सिटी लाइव

बच्चे रोज कुछ सीखें, बेहतरी के लिए इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया की छत्तीसगढ़ इकाई एवं रायपुर पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में केपीएस स्कूल डुंडा में कार्यशाला आयोजित की गई। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रदेशाध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया कि जिंदगी न मिलेगी दोबारा अभियान बुधवार से शुरू किया गया। शुभारंभ शदाणी दरबार तीर्थ के संत युधिष्ठिर लाल एवं ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू द्वारा किया गया।

संत युधिष्ठिर लाल ने कहा बच्चे रोज कुछ सीख कर जाएं और उसको अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। सोलह से बीस वर्ष की आयु टर्निंग प्वाइंट है। विधायक मोतीलाल साहू ने कहा हर बच्चे को अपने जीवन का एक लक्ष्य तय करना होगा। दिनचर्या में नियम बहुत जरूरी है।

बच्चे आसानी से फंसते हैं नशे की जाल में

ट्रैफिक पुलिस विभाग से टीके भोई ने बहुत विस्तार से ट्रैफिक के नियम बताए। लाल,पीली और हरी बत्ती की जानकारी दी। शीतल मोगरे ने कहा, आज बच्चा बहुत जल्दी बुरी आदत में फंस जाता है। हमें इन सभी बातों से दूर रहना है। स्वास्थ विशेषग डॉ.रागिनी ने कहा बच्चे दिन में दो बार ब्रश जरूर करें और चॉकलेट का सेवन न करें। केपीएस स्कूल के संचालक आशुतोष त्रिपाठी ने छात्रों को बेहतर कार्य के लिए प्रेरित किया। डॉ जयेंद्र नारंग, शीतल मोगरे, डॉ.रागिनी, डॉ.एनडी गजवानी, नंदलाल साहित्य, नितिन कृष्णानी सहित अन्य मौजूद रहे।

कैंपस लाइव

ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करने बनाई गई ग्राम पंचायत

रायपुर। महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय में बुधवार को सद्भावना दिवस मनाया गया। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 81वीं जयंती के अवसर राजीव गांधी स्टडी सर्किल एवं एनएसएस इकाई द्वारा यह आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शंकराचार्य विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉक्टर निगम उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी भारत के स्वप्न दृष्टा एवं आधुनिक भारत के निर्माता थे। उन्हेंने राजीव गांधी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रामीण भारत में जनता की भागीदारी कैसे हो, इसके लिए सुनियोजित ढंग से प्लानिंग करके उन्होंने ग्राम पंचायत की योजना बनाई। राजीव गांधी के योगदान को भूलाया नहीं जा सकता।

दिलाया 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार

कॉलेज प्राचार्य डॉ.देवाशीष मुखर्जी ने राजीव गांधी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने आधुनिक भारत की नींव रखी थी। उन्होंने भारत देश को कंप्यूटराइज्ड करने का सपना देखा। थ्री टियर राज प्रणाली का मार्ग प्रशस्त किया और 18 वर्ष की उम्र में वोटिंग का अधिकार दिलवाने की बात कही। उनके अन्य योगदानों और कार्यों की चर्चा इस दौरान की गई। प्रो.अंजनी शुक्ल, अनिल तिवारी, डॉ.प्रेम, डॉ.राकेश चंद्राकर, लोकेश साहू सहित सभी प्रध्यापकगण सम्मिलित हुए।

समाज इवेंट

हिंदी व छत्तीसगढ़ी नाट्य मंचन बच्चों को कला से जोड़ने स्पर्धा

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल द्वारा प्रत्येक वर्ष गणेश उत्सव के दौरान 10 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी आयोजन की तैयारी की जा रही है, जिसमें 3 दिन लगातार नाटकों का मंचन किया जाएगा। इसमें हिन्दी, मराठी व छत्तीसगढ़ी नाटक शामिल रहेंगे। गणेश उत्सव के दौरान 8, 14 व 16 सितंबर को नाटक का मंचन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन संत ज्ञानेश्वर स्कूल के सभागार में होगा। लोगों को कला व संस्कृति से जोड़ने यह आयोजन हो रहा है।

बाल नाट्य स्पर्धा में शामिल हो सकते हैं स्कूली बच्चे

8 सितंबर को बाल नाट्य स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। इसमें स्कूल व संस्था के बच्चे हिस्सा ले सकते है। रंगभूमि मंच द्वारा 14 सितंबर को हिंदी नाटक 'धर्म' और छत्तीसगढ़ी नाटक 'अगोरा' का मंचन किया जाएगा। दोनों ही नाटक के निर्देशक रंजन मोडक हैं। महाराष्ट्र नाट्य मंडल के सचिव प्रसन्न विजय निमोणकर ने बताया, मंडल द्वारा मराठी नाटक की प्रस्तुति दी जाएगी। इसमें अनिल सोनार द्वारा लिखित मराठी एकांकिका 'भानगड़ पहावी लपवून' का मंचन 16 सितंबर को शाम 7 बजे किया जाएगा। नाटक के निर्देशक रंजन मोडक ने बताया, सभी नाटकों की तैयारी सभागार में की जा रही।

दिव्यांग रोजगार मेला में 12 प्रतिभागियों का चयन, प्रतिष्ठित कंपनियों में देंगे सेवा

दिव्यांगों ने पर्यावरण बचाने जूट से बनाई रोजमर्रा की वस्तुएं, कांच का इस्तेमाल कर बनाई सुंदर कलाकृति

दिव्य कला मेले में दिव्यांगजनों की कला का अद्भुत नजारा देखने को मिला। देशभर से आए दिव्यांगों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय व भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में यह आयोजन किया गया। इसका समापन आज होगा।

जूट से बनाया फाइल होल्डर

जूट से बने फाइल होल्डर आकर्षण का केंद्र रहे। स्टॉल संचालक वेलू ने बताया, बीते 7 सालों से पुगुचेरी में पर्यावरण के अनुकूल स्टेशनरी व अन्य वस्तुओं का निर्माण किया जा रहा है। इमसें जूट से बने बैग, टिफिन बैग, कम्पास, पर्स, फाइल होल्डर जैसे कई वस्तुएं तैयार की जाती हैं। इसकी कीमत 30 रुपए से 300 रुपए तक है। एक बैग को तैयार करने में 40-50 मिनट का वक्त लगता है।

लॉक वर्क में पेन व मिरर डिजाइन

मो.नासिर ने बताया, बीते कई दिनों से प्रदर्शनी लगाई गई है। लेकिन अब तक बहुत कम खरीदार दुकान में खरीदी के लिए आए। स्टॉल में हैंडमेड बीट वर्क की ज्वेलरी मौजूद है। इसमें पायल, नेकलेस, इयररिंग, रिंग व ब्रेसलेट है। स्टॉल में आकर्षण का केंद्र लॉक वर्क का पेन व मिरर है, जिसे उपहार स्वरुप तैयार किया गया। इसमें स्टोन के साथ रंग-बिरंगे लॉक का प्रयोग किया गया है।

दिव्यांगों के लिए लगाया गया रोजगार मेला

प्रबंधक अनुपम ने दिव्यांग रोजगार मेले की जानकारी देते हुए कहा कि अमेरिका इंडिया फाउंडेशन द्वारा रोजगार मेला का आयोजन भी किया गया, जिसमें 7 नामी कंपनियों ने हिस्सा लिया है। इसके लिए अब तक 98 प्रतिभागियों ने अपना पंजीयन कराया है, जिसमें 12 दिव्यांग प्रतिभागियों का चयन किया जा चुका है। रोजगार मेले में प्रतिभगियों की शिक्षा, स्थान व कम्यूनिकेशन स्किल के आधार पर ही चयन किया जा रहा है। इसके साथ ही दिव्यांग प्रतिभागियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कंपनी उन्हें कार्य की जानकारी दे रही है। इंडिगो, वीजीएम कंसल्टेंटस, बाइबेंट इन्फोकॉम, विंध्या इन्फोमीडिया, जेनिक्स कंसल्टेंट्स, वॉब्बलेलैब, जस्ट डायल जैसी कंपनियों ने कैंप लगाया।

रायपुर। बीआईटी ग्राउंड में आयोजित मेले में 18 राज्य व केंद्र शासित प्रदेश से 100 से अधिक दिव्यांग उद्यमियों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। इसका मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को कला के क्षेत्र में आगे बढ़ाना रहा। प्रदर्शनी में दिव्यांग कारीगर व उनके लिए कार्य करने वाली संस्थाओं ने हिस्सा लिया, जिन्होंने अपनी कला की प्रस्तुति यहां दी। प्रबंधक अरुण कुमार ने बताया, मेले सभी स्टॉल दिव्यांगजनों द्वारा लगाए गए थे। उनकी प्रतिभा व कला सराहनीय रही। इस मौके पर कुछ दिव्यांग संस्थान के बच्चों ने भी हिस्सा लिया, जो मानसिक रुप से कमजोर होने के बाद भी अपनी कलाओं में पूर्ण रहे।

काथा वर्क की कुर्तियां

पश्चिम बंगाल से संकल्प आर्ट एंड कल्चर सोशल संस्थान द्वारा स्टॉल लगाया गया। इसकी संचालक केया दत्ता शर्मा ने बताया, स्टॉल में ज्वेलरी के साथ हैंडमेड बैग, पर्स, कुर्ती को सजाया गया। इसमें बैग व कुर्ती को काथा वर्क में तैयार किया गया, जिसे बनाने में लगभग 20-25 दिन का समय लगता है। इसके साथ क्रिस्टल, जर्मन सिल्वर, कॉपर, केमिकल बिट्स व लकड़ी से ज्वेलरी व की-रिंग तैयार की गई। संस्था सदस्यों द्वारा सभी वस्तुएं तैयार की जाती हैं। स्टॉल में मौजूद वस्तुओं की कीमत 30 रुपए से शुरु होकर 1000 रुपए तक रही।

नए और अच्छे के चक्कर में ना बदलें चीजें इन हालातों में 50 साल बाद नहीं बचेगा धर्म

रायपुर। संसार के प्रति अंदर से उदासीन भाव से ही क्रिया करना चाहिए। हमने अब तक जैन धर्म को नहीं समझा, इसलिए आज हम खाने-पीने समेत अन्य भौतिक सुखों में लिप्त हैं। मनुष्य भव में जैन कुल में जन्म लेकर हमें इतनी अनुकूलता मिली है, उसके बाद भी प्रमाद में पड़े हैं। कर्म सत्ता कब यह अनुकूलता छीन ले, पता नहीं चलेगा। हमें इस भव में विरागी बनना है, ताकि मोक्ष प्राप्ति हो सके। दूसरों की संपत्ति देखकर हम दुखी होते हैं और ईर्ष्या करने लगे हैं। जो प्राप्त है, वही पर्याप्त है। मन में संतोष लाना होगा। एमजी रोड स्थित श्री जैन दादाबाड़ी में विराग मुनि ने ये बातें कही।

उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को आकर्षित करने अच्छे व नए के चक्कर में परंपराएं बदल रहे हैं। ऐसा करेंगे तो भावी पीढ़ी तक असल धर्म कैसे पहुंचेगा? इसी तरह चलता रहा तो धर्म का स्वरूप ही बदल जाएगा। सत्यानाश हो जाएगा। अगर हम फिर भी परिवर्तन कर रहे हैं तो क्या यह मान लिया चाहिए कि परमात्मा को देश-काल का ज्ञान नहीं था, क्योंकि उन्होंने तो कभी धर्म में परिवर्तन के लिए नहीं कहा। जिन शासन में अभी प्रवचन काल साढ़े 17 हजार साल चलना है। समय के साथ परिवर्तन का दौर इसी तेजी से चला तो महज 50 साल बाद धर्म ही नहीं बचेगा।

विराग मुनि ने कहा, जो प्राप्त है वही पर्याप्त, मन में लाएं संतोष

मन हमेशा पवित्र बना रहे

मुनिश्री ने कहा कि आज भाई तभी तक साथ हैं, जब तक उनके मन का हो रहा है। जहां मन की न हो या धर्म निभाने की बात आ जाए, भाइयों में बंटवारा होते देर नहीं लगती। जो धन अपनों के बुरे वक्त में काम नहीं आता, वह धन भाव-भावांतर तक आत्मा की दुर्गति का कारण बनता है। जो व्यक्ति बुरे समय में अपनों का साथ न दे, उसका धन धर्म के कार्य में भी नहीं लगाना चाहिए। जीवन में पूरी कोशिश होनी चाहिए कि मन के परिणाम हमेशा पवित्र बने रहें।

सभी धर्मों में राग-द्वेष से बचने की नसीहत

मुनिश्री ने कहा, सभी धर्मों ने राग-द्वेष से बचने की नसीहत दी है। इन कषायों से बचने का पवित्रतम उपाय जैन धर्म में है। समस्या ये है कि हम धर्म को जानते तो हैं, समझते नहीं। आज मनुष्य की हालत चिंतामणि रत्न लेकर घर-घर भीख मांगने वाली भिखारी जैसी है। दुर्लभ मानव जीवन में आत्मकल्याण की जगह हम भौतिक सुखों के पीछे भाग रहे हैं। ध्यान रखिएगा, भौतिक वस्तुएं कुछ समय के लिए आपका दुख दबा सकती हैं। सुख कभी नहीं दे सकतीं।

कानूनों को व्यावहारिक रूप से लागू करने कौशल आवश्यक

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा नव-पदोन्नत जिला न्यायाधीशों के लिए ओरिएंटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम रखा गया। नव-नियुक्त सिविल जज के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम भी साथ ही रखा गया। न्यायिक अधिकारियों को उनकी भूमिकाओं के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और नैतिक आधार प्रदान करने का प्रयास इसके माध्यम से किया गया। मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा रहे। उन्होंने अपने संबोधन न्यायाधीशों की भूमिका की महत्वपूर्णता पर जोर दिया, जो विधि का शासन बनाए रखने तथा सभी नागरिकों को न्याय प्राप्त हो सुनिश्चित करने के संबंध में निभाई जाती है। उन्होंने नव-पदोन्नत जिला जजों और नव-नियुक्त सिविल जजों को उनकी नवीन भूमिकाओं के लिए बधाई दी तथा न्यायपालिका में उनके पद के महत्व पर प्रकाश डाला। उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के न्यायमूर्ति सचिन सिंह राजपूत और अरविंद कुमार वर्मा भी उपस्थित रहे।

कोई नहीं सीखा सकता ईमानदारी और निष्ठा

मुख्य न्यायाधिपति श्री सिन्हा ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम इस प्रकार तैयार किया गया है, जिससे न्यायाधीशों को कानूनों को व्यावहारिक रूप से लागू करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्राप्त हो। उन्होंने ईमानदारी और निष्ठा को न्यायाधीशों के महत्वपूर्ण गुणों के रूप में बताया, जिसे किसी द्वारा सिखाया नहीं जा सकता बल्कि वह व्यक्तित्व में समाहित होता है। न्यायाधीश की कार्यशैली पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए और ये गुण उनके आदेश और निर्णयों में भी परिलक्षित होने चाहिए।
महिलाओं की न्यायपालिका में बढ़ती भागीदारी को देखते हुए मुख्य न्यायाधिपति ने विशेष रूप से महिला न्यायिक अधिकारियों को बधाई दी। न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल ने न्यायाधीशों की नवीन भूमिकाओं के साथ जुड़े दायित्वों की गंभीरता पर बल दिया। सीएसजेए के निदेशक सिराजुद्दीन कुरैशी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

बच्चों के भोजन से लेकर पाठ्यपुस्तक और शिक्षकों की उपस्थिति का रखा जाएगा डाटा

ऑनलाइन होगी बच्चों की मॉनिटरिंग, आईआईटी भिलाई की मदद से बनाया गया सॉफ्टवेयर व ऐप, एआई जांचेगा भोजन की गुणवत्ता

कार्नर न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए राजधानी में विद्या समीक्षा केंद्र स्थापित किया गया है। स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में यह पहल की गई है, जिसमें स्कूलों के साथ उनमें पढ़ने वाले प्रत्येक बच्चे के प्रदर्शन पर भी अब सीधी नजर रखी जाएगी। सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल ऐप का विकास तथा कॉल सेंटर के माध्यम से मॉनिटरिंग आईआईटी भिलाई के सहयोग से किया जा रहा है।

स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं की ऑनलाइन मॉनिटरिंग एवं आंकड़ों के विश्लेषण करने के लिए पेंशनबाड़ा में विद्या समीक्षा केन्द्र की स्थापना की गई है। इस केन्द्र के माध्यम से शासन की योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू एवं मॉनिटरिंग करने में आसानी होगी। स्कूल और उनमें पढ़ने वाले एक-एक बच्चों के प्रदर्शन का रीयल टाइम ब्यौरा मुहैया कराएगा।

दूसरे राज्यों संग साझा करेंगे तकनीक

गौरतलब है कि एनसीईआरटी द्वारा अगस्त के पहले पखवाड़े में नई दिल्ली में विद्या समीक्षा केंद्र के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया था, जिसमें छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों के नोडल आफिसर शामिल हुए थे। उक्त कार्यशाला में विद्या समीक्षा केंद्र छत्तीसगढ़ द्वारा विकसित एआई-मॉड्यूल पेश किया गया। इसे अन्य राज्यों के साथ अब साझा किया जाएगा। इस संबंध में भारत शासन से ई-मेल प्राप्त हुआ है।

शिक्षकों का विवरण भी एक क्लिक पर

इसके द्वारा शिक्षकों की पदस्थापना से सबंधित जानकारियों की भी मॉनिटरिंग की जा रही है। विद्या समीक्षा केंद्र के अंतर्गत शिक्षकों का विवरण, यूडाइस डाटा, मध्यान्ह भोजन, शिक्षक प्रशिक्षण से सबंधित मॉनिटरिंग, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की दैनिक उपस्थिति, अधिकारियों द्वारा शालाओं का निरीक्षण, विद्यार्थियों का मूल्यांकन आदि तथा केन्द्र सरकार से सबद्ध शैक्षिक योजनाओं की नियमित ऑनलाइन मानिटरिंग की जाएगी। योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए सॉफ्टवेयर एवं ऐप भी तैयार किया जा रहे हैं।

जारी होंगे टोल फ्री नंबर

विद्यार्थियों, पालकों एवं शिक्षकों की शैक्षिक गतिविधियों से संबंधित समस्याओं का समाधान करने के लिये एक टोल-फ्री नंबर भी जारी किया जाएगा। स्कूल में मूलभूत सुविधाएं जैसे शाला भवन, शौचालय, विद्युत व्यवस्था आदि उपलब्ध है अथवा नहीं है, इसके सबंध में एआई अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मॉड्यूल के उपयोग से जानकारी प्राप्त की जा रही है। प्राप्त जानकारियों की सहायता से स्कूलों का चिन्हांकन भी किया जा रहा है। एआई के उपयोग से ही बच्चों को दी जाने वाली मध्यान्ह भोजन की जानकारी प्राप्त की जा रही है। एआई के माध्यम से ही मध्यान्ह भोजन के अंतर्गत बच्चों को परोसी जानी वाली सामग्रियों की गुणवत्ता का विश्लेषण किया जाएगा, जिससे बच्चों को पर्याप्त मात्रा में भोजन मिल रहा है कि नहीं इसकी जानकारी भी प्राप्त हो सकेगी। एआई के उपयोग से शिक्षकों के डाटा के विश्लेषण की सुविधा भी विद्या समीक्षा केन्द्र के अंतर्गत तैयार की गई है। विषयवार शिक्षकों की जानकारी, अतिशेष शिक्षकों की जानकारी, एकल शिक्षकों की जानकारी भी प्राप्त की जा सकेगी। भविष्य में एआई के उपयोग से विद्यार्थियों के अकादमिक आंकलन व मूल्यांकन का विश्लेषण किया जाएगा, जिससे कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष फोकस किया जा सकेगा। प्राप्त जानकारी एवं विभिन्न पैरामीटर के आधार पर शालाओं की रैंकिंग की जाएगी।

सिटी स्पोर्ट्स

इंटर स्टेट अंडर-19 वन डे क्रिकेट जीता छत्तीसगढ़ ने

रायपुर। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ पुदुच्चेरी की ओर से इंटर स्टेट अंडर-19 वन डे क्रिकेट टुर्नामेंट 21 अगस्त से जारी है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का पहला मैच बुधवार 21 अगस्त को पुदुच्चेरी में पुदुच्चेरी अंडर-19 टीम बी के विरुद्ध खेला गया। छत्तीसगढ़ अंडर 19 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 292 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से साहिल रजत शरीफ ने 64 रन बनाये। साथ ही कप्तान उपेन्द्र यादव ने 57 रनों का योगदान दिया। पुदुच्चेरी अंडर 19 टीम बी की ओर से तरुण ने 4 विकेट तथा संदीप ने 2 विकेट प्राप्त किये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुदुच्चेरी अंडर-19 टीम बी ने वर्षा प्रारंभ होने तक 21 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 86 रन बना लिये थे। छत्तीसगढ़ के गेंदबाजों ने शानदान प्रदर्शन करते हुये पुदुच्चेरी के किसी भी बल्लेबाज को लंबी पारी खेलने से रोक दिया। पुदुच्चेरी की ओर से केवल अभिषेक ने दहाई का आंकडा पार करते हुये 58 रन नाबाद की पारी खेली। छत्तीसगढ़ की ओर से अंकित कुमार सिंह ने 3 विकेट तथा धनंजय नायक तथा उपेन्द्र यादव ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ ने मैच डी एल एस प्रणाली से 140 रनों से जीत लिया।

योग में हुनर दिखाया नौजवानों ने

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के मंडल मुख्यालय रायपुर मे 47 वी अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल योग प्रतियोगिता डब्लूआरएस रेलवे कॉलोनी स्थित सामुदायिक भवन मे जारी है । इस प्रतियोगिता को उम्र के अनुसार 18-21 वर्ष, 22-25 वर्ष, 26-30 वर्ष, 31-35 वर्ष, 36-45 वर्ष एवं 45 वर्ष से अधिक उम्र की 06 श्रेणियों में रखा गया है । बुधवार को इस प्रतियोगिता मे 44 पुरुष एवं 05 महिला प्रतिभागियों ने अपनी कला के हुनर को जूरी मेंबर और आम लोगों के सामने के प्रस्तुत किया। इसके माध्यम से रेलवे सुरक्षा बल के बल सदस्यों, रेल कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को अपने जीवन मे योग को अपनाकर जीवन शैली मे सुधार करने और स्वस्थ रहने ''करो योग रहो निरोग'' का संदेश दिया जा रहा है ।

राज्य स्तरीय व्हीलचेयर रग्बी चयन शिविर में शामिल हुए खिलाड़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्हीलचेयर रग्बी एसोसिएशन एवं जन सामर्थ्य कल्याण समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय व्हीलचेयर रग्बी चयन शिविर व कार्यशाला पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय परिसर स्थित शारीरिक शिक्षा विभाग के बहुदेशीय सभागार में आज से शुरू हुई। मुख्य अतिथि वीरेन्द्र सिंह तोमर (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ,करणी सेना) , सहयोग अतिथि विकास चौरसिया (नेशनल डेवलपमेंट मैनेजर ,आईआरएमयू) , मोहम्मद कैफ (इंडियन व्हील चेयर रग्बी कोच) की उपस्थिति में कार्यक्रम की शुरुआत हुई। दो दिवसीय कार्यशाला में चयनित खिलाड़ी ग्वालियर, मध्यप्रदेश में एक और दो अक्टूबर को होने वाली 6 वीं राष्ट्रीय व्हीलचेयर प्रतियोगिता में शामिल होंगे। कार्यक्रम में 40 से अधिक दिव्यांग जनो ने छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों से भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने दिव्यांग खिलाड़ियों को टी शर्ट प्रदान कर कार्यशाला की शुरुआत की।

राज्य स्तरीय ग्रेपलिंग-कुश्ती प्रतियोगिता में रायपुर जिला विजेता

रायपुर। चतुर्थ छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय सब-जूनियर व कैडेट ग्रेपलिंग-कुश्ती प्रतियोगिता दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, कबीर नगर में 17 अगस्त को आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विशिष्ट अतिथि टंकराम वर्मा, मंत्री, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मुख्य अतिथि दीपक मस्क निदेशक पेट्रोलियम मंत्रालय व विधायक मोतीलाल साहू उपस्थित हुए। प्रतियोगिता में प्रदेश भर से दुर्ग, बालोद, रायपुर, बलौदाबाजार, बिलासपुर, पेंड्रा रोड़, मुंगेली, अंबिकापुर, चाम्पा, रायगढ़ व कोरबा जिले के 150 से अधिक खिलाड़ियों में भाग लिया. स्पर्धा में रायपुर जिला विजेता व रायगढ़ जिला उपविजेता रहा। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में स्कूल के चेयरमैन विनय चंद्राकर, प्राचार्य विनोद पाण्डेय व समस्त विद्यालय परिवार के साथ रायपुर ग्रेपलिंग-कुश्ती संस्था की अध्यक्षा शिल्पा दीक्षित व सचिव अंतरा सारथी का विशेष योगदान रहा।

जीवनशैली में बदलाव सबसे बड़ा मंत्र, अपनाइए और देखिए

लंबी उम्र तक जीना इतना भी मुश्किल नहीं कारगर उपाय के साथ गुजार सकते हैं जिंदगी

बदलाव इस दुनिया में शायद ही कोई हो जिसे लंबे समय तक जीने की इच्छा न हो, पर ये कैसे संभव होगा? अध्ययनों से पता चलता है कि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है, जिसने औसत आयु को भी कम कर दिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लंबे समय तक जिंदा रहना चाहते हैं, क्रोनिक बीमारियों से बचना चाहते हैं तो आहार और दिनचर्या में सुधार करना बहुत जरूरी है। नेशनल जियोग्राफिक और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन एजिंग ने अध्ययनों के आधार पर बताया कि आहार में कुछ सुधार कर लिए जाएं तो ये काम ज्यादा मुश्किल नहीं है। कई खाद्य पदार्थों में एंटी-एजिंग और एंटी-इंफ्लामेटरी प्रभाव होते हैं जो न सिर्फ आपको बीमारियों से बचाते हैं साथ ही आपको लंबी उम्र पाने में भी मददगार हो सकते हैं।

लंबी आयु पाने के लिए क्या है विशेषज्ञों की सलाह?

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन की रिपोर्ट से पता चलता है कि स्वस्थ भोजन के पैटर्न की मदद से कुल मृत्यु दर में 20% की कमी लाई जा सकती है। हृदय रोग और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के कारण मृत्यु दर को कम करने के लिए भी आहार को पौष्टिक रखना बहुत मददगार हो सकता है। पौधों पर आधारित आहार जैसे खाने के पैटर्न को बीमारियों के जोखिम को कम करने में मददगार पाया गया है। आइए जानते हैं कि 80-100 साल तक स्वस्थ और जीवित रहने के लिए कौन से उपाय मददगार हो सकते हैं? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नियमित रूप से बीन्स खाना आपके लिए बहुत लाभकारी हो सकता है। बीन्स प्लांट बेस्ड प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं और फाइबर से भी भरपूर होते हैं। इसे आंतों को स्वस्थ रखने के लिए लाभकारी माना जाता है। इसी तरह से क्रूसिफेरस सब्जियां जैसे ब्रोकोली, फूलगोभी और पत्तागोभी सभी में ऐसे प्राकृतिक यौगिक होते हैं जो आपके दिल के लिए अच्छे होते हैं और कुछ प्रकार के कैंसर से बचाने में भी मदद करते हैं।

खूब पानी पीते रहें

लंबे समय तक जीवित रहने की चाह रखते हैं तो हाइड्रेशन का ध्यान रखना आपके लिए बहुत जरूरी है। इसके लिए खूब सारा पानी पीते रहना चाहिए। मीठे पेय पदार्थ आपकी सेहत के लिए हानिकारक प्रभावों वाले हो सकते हैं, इससे दूरी बना कर रखें। दिनभर में तीन-चार लीटर तक पानी पीने की आदत बनाना आपकी सेहत को ठीक रखने और लंबी आयु प्राप्त करने में मददगार हो सकता है।

कम कर दें चीनी और नमक का सेवन

चीनी और नमक दोनों ही सेहत के लिए हानिकारक माने जाते हैं और डायबिटीज-हार्ट सहित कई प्रकार की गंभीर और क्रोनिक बीमारियों के खतरे को बढ़ा देते हैं। अध्ययन की रिपोर्ट से पता चलता है कि जिन देशों में चीनी और नमक की खपत कम है वहां पर लोग कम बीमार पड़ते और आयु भी लंबी होती है। स्वस्थ और लंबी उम्र चाहते हैं तो आहार में ये सुधार करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

आज है कजरी तीज, जानें इस पर्व के पीछे का कारण और मनाने का तरीका

कजरी तीज का मुख्य उद्देश्य देवी पार्वती और भगवान शिव के मिलन का उत्सव मनाना है। इस दिन महिलाएं विशेष व्रत रखती हैं और भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करती हैं। कजरी तीज भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस बार 22 अगस्त को कजरी ठीक व्रत का किया जाएगा।

कजरी तीज भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण तीन तीजों में से एक है, जो मुख्य रूप से उत्तर भारत, खासकर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार में धूमधाम से मनाई जाती है। यह त्योहार महिलाओं द्वारा भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करने के लिए मनाया जाता है, जिसमें वे अपने पति की लंबी उम्र और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। कुंवारी कन्याएं भी इस दिन मनपसंद वर के लिए उपवास करती हैं।

कजरी तीज क्यों मनाई जाती है?

कजरी तीज का मुख्य उद्देश्य देवी पार्वती और भगवान शिव के मिलन का उत्सव मनाना है। इस दिन महिलाएं विशेष व्रत रखती हैं और भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करती हैं। इस त्योहार को मनाने के पीछे यह मान्यता है कि देवी पार्वती ने कठोर तपस्या करके भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया था और इस दिन व्रत रखने से विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और कुंवारी लड़कियां अच्छे वर की प्राप्ति के लिए प्रार्थना करती हैं।

कजरी तीज की पौराणिक कथा

कजरी तीज से जुड़ी एक प्रमुख पौराणिक कथा है। यह कहा जाता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया। इस तपस्या और प्रेम की कहानी को याद करते हुए, कजरी तीज के दिन महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं। इसके अलावा, कजरी तीज के दिन महिलाएं कजरी गीत भी गाती हैं, जिनमें प्रकृति के सौंदर्य, प्रेम और रिश्तों

मानसून में आउटडोर कुकिंग करते हुए काम आएंगे ये हैक्स

मानसून के मौसम में आउटडोर कुकिंग करने का अपना एक अलग ही मजा है। लेकिन यह इतना भी आसान नहीं होता है। इसके लिए आपको सही तैयारी और हैक्स को फॉलो करना पड़ता है। वरना बारिश की बूंदे आपका पूरा मजा किरकिरा कर सकती हैं।

सेटअप को बनाएं वाटरप्रूफ

जब आप मानसून में आउटडोर कुकिंग कर रही हैं तो आपको अपने पूरे सेटअप को वाटरप्रूफ बनाना बेहद ही जरूरी है। आप अपने कुकिंग एरिया को किसी शेड के नीचे सेट करें। इसके अलावा, अपने पास तिरपाल या बड़ा वाटरप्रूफ़ कवर जरूर रखें, ताकि बारिश आने की स्थिति में आपके पूरे सेटअप व फूड इंग्रीडिएंट्स को किसी तरह का नुकसान ना हो। अतिरिक्त सुरक्षा के लिए आप अपने फूड इंग्रीडिएंट्स और इक्विपमेंट्स को वाटरप्रूफ़ बैग और कंटेनर में रखें ताकि वे गीले न हों।

बनाएं वन पॉट मील

मानसून में आउटडोर कुकिंग को अधिक आसान व मजेदार बनाने के लिए आप वन पॉट मील बनाने पर फोकस करें। इन्हें बनाना अधिक आसान होता है और साथ ही साथ, इसकी क्लीनिंग करना भी काफी आसान होता है। वन पॉट मील बनाते हुए आप सूप, स्टू और करी जैसे ऑप्शन चुन सकते हैं। इसके अलावा, आप प्री-मैरिनेशन इंग्रीडिएंट्स को भी ग्रिल कर सकते हैं। आप घर पर मीट और सब्ज़ियों को पहले से मैरीनेट करें। इससे ना केवल आपके टाइम की बचत होती है, बल्कि मानसून में कुकिंग करना भी अधिक आसान हो जाता है।

इस्टेंट फूड्स का चुनें ऑप्शन

चूंकि मानसून में मौसम कभी भी बिगड़ सकता है, इसलिए आप अपने साथ कुछ इंस्टेंट फूड ऑप्शन भी जरूर रखें। कोशिश करें कि आप अपने साथ नूडल्स, रेडी-टू-ईट मील और पैकेज्ड फूड आइटम्स को जरूर रखें।

अवसाद का शिकार होने से पहले नजर आते हैं लक्षण

अवसाद एक मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है जो आपके मूड को प्रभावित करती है, जिससे आप उदास, सुन्न, चिड़चिड़े या उदास महसूस करते हैं। यह आपके मूड में सामान्य बदलावों से ज़्यादा समय तक रहता है, और यह आपके लिए रोज़मर्रा की चीज़ें करना मुश्किल बना सकता है जैसे अपने दोस्तों के साथ समय बिताना, काम करना, स्कूल जाना या खुद की देखभाल करना। कोई भी व्यक्ति, किसी भी पृष्ठभूमि से, अवसाद का शिकार हो सकता है। यह बिना किसी स्पष्ट कारण के हो सकता है, या यह आपके द्वारा अनुभव की जा रही किसी मुश्किल चीज़ से शुरू हो सकता है। अवसाद एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्या है ,जिसका समय पर इलाज जरूरी होता है। आजकल के दौर में युवा नौजवान अवसाद के चपेट में तेजी से आ रहे हैं। हालांकि ज्यादातर लोगों को यह मालूम ही नहीं चलता है कि वो अवसाद के शिकार हैं,कई बार मामला हाथ से निकल जाता है। ऐसे में हम आपको वो लक्षण बता रहे हैं जो अवसाद का शिकार होने से पहले किसी भी व्यक्ति में नजर आता है। डॉ. आरूषि देवान, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट इस बारे में जानकारी दे रही हैं।

ये है 6 लक्षण जो अवसाद की ओर करते हैं इशारा

अगर आप बहुत ज्यादा खा रहे हैं या बहुत कम खा रहे हैं तो ये अवसाद के शुरुआती लक्षण की तरफ इशारा करता है। तनाव के कारण आपको ज्यादा भूख लगती है। तनाव को कम करने के लिए लोग अच्छा खाना खाना चाहते हैं इससे उन्हें सुकून मिलता है, वहीं तनाव के कारण भोजन को लोग बोझ समझने लगते हैं। दोनों ही स्थिति अवसाद की तरफ इशारा करती है।

दुख और निराशा की भावना अवसाद के सबसे आम लक्षणों में से एक है। अगर आप किसी भी काम को करने से पहले निराश हो जाते हैं या छोटी छोटी बातों पर दुखी हो जाते हैं तो आपको इसे अवसाद का लक्षण समझना चाहिए। बिना किसी कड़ी मेहनत या गतिविधि के भी आपको थकावट महसूस होती है तो यह भी अवसाद की तरफ इशारा करता है। ऐसा नींद की कमी के कारण होता है।

पहले जिस काम को आप खूब आनंद लेकर करते थे और अब आपको उस काम में बिल्कुल भी रुचि नहीं है तो यह भी अवसाद की शुरुआती लक्षणों की तरफ इशारा करता है। अवसाद से प्रभावित लोग खाने के लिए मन नहीं करता और वे भोजन को एक बोझ मान सकते हैं।

अगर आप बिल्कुल भी सो नहीं पाते हैं या बहुत अधिक देर सोते हैं तो ये अवसाद के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। चिंता के कारण आपको नींद नहीं आती है ,वहीं ऊर्जा की कमी के कारण आप अधिक सोने लगते हैं।

अगर आप आसानी से किसी भी बात पर भड़क जाते हैं, कोई कुछ कह देता है तो आप चिड़चिड़े होकर गुस्सा करने लगते हैं तो यह भी अवसाद की तरफ इशारा करता है। चिंता के कारण व्यक्ति पर निरंतर भावनात्मक दबाव बना रहता है जिससे वे छोटी-छोटी बातों पर भी भड़क सकते हैं।

अवसाद के लिए सहायता प्राप्त करना

अगर आपको लगता है कि आप अवसाद से जूझ रहे हैं, तो किसी ऐसे व्यक्ति से बात करें जिस पर आपको भरोसा हो कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं, जैसे कोई दोस्त, परिवार का सदस्य, शिक्षक या कोई और जिसके साथ आप सहज महसूस करते हों। अपनी भावनाओं को दूसरों के साथ साझा करना अक्सर बेहतर महसूस करने का पहला कदम होता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

शादी की दूसरी सालगिरह पर जेनिफर लोपेज ने दी तलाक की अर्जी

जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक अपने तलाक को लेकर लंबे समय से चर्चा में बने हुए हैं। अपनी शादी के दो साल बाद ही दोनों तलाक ले रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार, 20 अगस्त को जेनिफर लोपेज ने एलए काउंटी सुपीरियर कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी दाखिल की है। दोनों के आधिकारिक तौर पर अलग होने की तारीख 26 अप्रैल बताई गई है। जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक हॉलीवुड की मशहूर जोड़ियों में से एक हैं। दोनों की जोड़ी को लाखों लोग पसंद करते हैं। जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक ने साल 2022 में शादी की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक दो-दो बार शादी कर चुके हैं। वो भी एक ही साल के लगातार दो महीने में। उन्होंने पहली शादी जुलाई 2022 में लास वेगास में की थी। इसके बाद अगस्त 2022 में दूसरी बार शादी की थी, जो जॉर्जिया में हुई थी। दोनों ने ठीक दो साल पहले 20 अगस्त 2022 को जॉर्जिया में एक बड़े समारोह में फिर से शादी की थी। बेन एफ्लेक और जेनिफर लोपेज ने साथ में दो फिल्में कीं। 2003 में मार्टिन ब्रेस्ट की बहुचर्चित रोमांटिक फिल्म गिगली और 2004 में केविन स्मिथ की कॉमेडी फिल्म जर्सी में दोनों साथ दिखे थे। रिपोर्ट के अनुसार, जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक साल 2002 से लेकर 2004 तक एक-दूसरे को डेट कर चुके हैं। खबर के मुताबिक, फिल्म जर्सी के रिलीज होने से पहले दोनों अलग हो गए थे। लोपेज ने अपने हालिया एल्बम 'दिस इज मी नाउ' में भी स्पष्ट रूप से इस रिश्ते को संबोधित किया। ये एल्बम उनकी 2002 की एल्बम 'दिस इज मी देन' का सीक्वल है। उन्होंने मई में अपने 'दिस इज मी नाउ' टूर रद्द कर दिया था।

टॉलीवुड

'मुफासा: द लायन किंग' में धमाल मचाने को तैयार हुए महेश बाबू

महेश बाबू इन दिनों एसएस राजामौली के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एसएसबी 29' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच अभी से उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं, इस फिल्म के अलावा अभिनेता का जलवा दूसरी फिल्म में भी देखने को मिला। अभिनेता को लेकर नई खबर सामने आई है, जो प्रशंसकों को खुश कर देगी। दरअसल, महेश बाबू 'मुफासा: द लॉयन किंग' में अपनी आवाज का जादू चलाने के लिए तैयार है। अभिनेता महेश बाबू को आगामी डिज्नी फिल्म 'मुफासा: द लॉयन किंग' में मुफासा की आवाज के रूप में पेश किया है। यह फिल्म एक शानदार पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है। इस बार मुफासा की पिछली कहानी पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्माता नई कहानी पेश करेंगे। वहीं फिल्म में अब महेश बाबू की आवाज मुफासा के रूप में सुनाई देगी। फिल्म का तेलुगु ट्रेलर 26 अगस्त को सुबह 11:07 बजे लॉन्च होने वाला है, जो अभिनेता और उनके प्रशंसकों दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण पल है। इस खबर की घोषणा एक्स की गई। कैप्शन में लिखा गया, 'सुपरस्टार महेश बाबू डिज्नी की शानदार पारिवारिक मनोरंजक फिल्म मुफासा द लॉयन किंग में मुफासा की तेलुगु आवाज हैं। 26 अगस्त को सुबह 11:07 बजे तेलुगु ट्रेलर लॉन्च होगा। 20 दिसंबर को अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में फिल्म को धमाकेदार तरीके से देखें।'इस ट्रेलर रिलीज का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है, क्योंकि इसमें महेश बाबू की शक्तिशाली और गूंजती आवाज की झलक देखने मिलेगी, जिसे वे मुफासा के प्रिय किरदार में लेकर आएंगे।

भोजपुरी

विक्रांत की फिल्म 'दुल्हन वही जो धन लाए' का ट्रेलर रिलीज

भोजपुरी सिनेमा फिल्मों के स्टार विक्रांत सिंह राजपूत और मणि भट्टाचार्या की फिल्म 'दुल्हन वही जो धन लाए' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में दहेज प्रथा पर चोट करते हुए इसे समाज के सामने एक गंभीर मुद्दे को दिखाया गया है। इसमें हॉरर का तड़का भी देखने को मिलेगा। इसे इशितयाक शेख बंटी ने डायरेक्ट किया है, और उन्होंने ही लिखा है। इशितयाक शेख बंटी ने बताया, 'मेरा होम प्रोडक्शन 3आर फिल्म्स एंड प्रोडक्शंस मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि इसका नाम मेरी तीन प्यारी बेटियों - रिफ़ा, रिदा और रिज़ा के नाम पर रखा गया है। इसी बैनर के तहत मैंने 'दुल्हन वही जो धन लाए' बनाई है।' ट्रेलर में दिखाया गया है कि किस तरह से दहेज लोभी परिवार की लालच और हिंसा एक भुतहा घटना में बदल जाती है। इसके साथ ही, फिल्म में सामाजिक संदेश के साथ मनोरंजन का तड़का भी भरपूर मिलेगा। फिल्म के प्रोड्यूसर विनय सिंह और इशितयाक शेख बंटी हैं। इशितयाक शेख बंटी ने दर्शकों से अपील की है कि वो ट्रेलर देखें और अपने विचार साझा करें। उनका कहना है, 'मैं वास्तव में आपसे सुनने के लिए उत्सुक हूं।' 'दुल्हन वही जो धन लाए' दर्शकों को दहेज प्रथा की भयावहता और इसके समाज पर पड़ने वाले प्रभावों को समझाने के साथ ही मनोरंजन का बेहतरीन अनुभव देने के लिए तैयार है।

गेटवे ऑफ़ इंडिया की रौनक

लाइफ स्टाइल

मुंबई में एक फ़ैशन शो के दौरान मॉडल ने फ्रांसीसी डिजाइनर क्रिश्चियन डायर के फ़ॉल संग्रह से प्रेरित कलेक्शन पेश किए। डायर ने मुंबई में ऐतिहासिक गेटवे ऑफ़ इंडिया स्मारक पर अपना प्री-फ़ॉल संग्रह प्रस्तुत किया। इस शो में रंग, डिजाइन और कढ़ाई के लिए दर्शकों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखने को मिली। डायर ने करिश्मा स्वाली के साथ यह शो पेश किया। करिश्मा मुंबई में चाणक्य एटलियर और चाणक्य स्कूल ऑफ़ क्राफ्ट का निर्देशन करती हैं।

फैशन में हाथी प्रिंट का जलवा कायम, युवाओं का बढ़ा रुझान

भारतीय कला में पशु-पक्षियों को हमेशा से ही विशेष स्थान दिया गया है। आपको आर्किटेक्चर से लेकर टेक्सटाइल तक में कुछ विशेष भारतीय पशु-पक्षियों की उपस्थिति देखने को मिल जाएगी। हाथी भी एक ऐसा ही महत्वपूर्ण और विशेष पशु है। आज हाथी प्रिंट के प्रति युवाओं का भी रुझान बढ़ा है।

चिकनकारी एम्ब्रॉयडरी में एलिफेंट मोटिफ

चिकनाकारी एम्ब्रॉयडरी भी भारत की एक ट्रेडिशनल आर्ट है। इसे भी मुग्लों के समय में पहचान मिली। पहले इस एम्ब्रॉयडरी को शाही लोगों के वस्त्रों पर ही किया जाता था मगर वर्तमान समय में चिकनकारी किए गए कपड़ों को आम लोग भी पहन सकते हैं। इस एम्ब्रॉयडरी में भी हाथी को विशेष महत्व दिया गया है। आपको इस कढ़ाई में गज मुख, गज का पूरा शरीर, शाही हाथी और सजावटी हाथी के मोटिफ देखने को मिल जाएंगे और आपके आउटफिट को बहुत खूबसूरत बनाते हैं।

मधुबनी आर्ट का भी हिस्सा हैं एलिफेंट मोटिफ

बिहार की फेमस मधुबनी पेंटिंग्स में भी हाथी के चित्र को महत्व दिया गया है। मधुबनी ही नहीं, कई शाही पेंटिंग्स में आपको हाथी के खूबसूरत चित्र देखने को मिल जाएंगे। अब यही पेंटिंग्स और चित्रकारी कपड़ों की भी शोभा बढ़ा रही हैं। इस तरह हमें मधुबनी, पट्टिचित्र और तंजौर पेंटिंग्स को आउटफिट्स में देखने का भी मौका मिल रहा है, जिसमें हाथी को प्रमुखता दी जाती है।

इस प्रकार, हाथी का भारतीय पौराणिक कथाओं, इतिहास, फैशन और संस्कृति में गहरा और महत्वपूर्ण स्थान है।

घर पर करें ब्लैक स्मोकी आई मेकअप, जानें आसान स्टेप्स

मेकअप करना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि पार्टी में जाने का प्लान करते हैं। इसके बाद यह सोचते हैं कि किस तरह के मेकअप लुक को क्रिएट करें ताकि सुंदर दिखाई दें। इसके लिए आप चाहें तो ब्लैक स्मोक आई मेकअप लुक क्रिएट कर सकती हैं। इसे करना आसान होता है। इसके लिए हम आर्टिकल में आपको कुछ स्टेप्स बताएंगे, जिससे आपका लुक परफेक्ट लगेगा।

आंखों पर लगाएं प्राइमर

अगर आपको फ्लॉलेस मेकअप क्रिएट करना है, तो इसके लिए आप सबसे पहले प्राइमर लगाएं। इसके बाद इसे अपनी आईलिड पर ब्लेंड करें। इससे एक स्मूथ बेस बन जाएगा। इसके बाद जब आप कलर अप्लाई करेंगी, तो अच्छा लगेगा।

आईशैडो को ब्रश की मदद से लगाएं

इसके बाद आपको आईलिड पर आईशैडो कलर को ब्रश की मदद से लगाना है। इसके लिए आपको ब्लैक कलर को ब्रश में लेना है। फिर आईलिड पर ब्लेंड करना है। इसे ऐसे

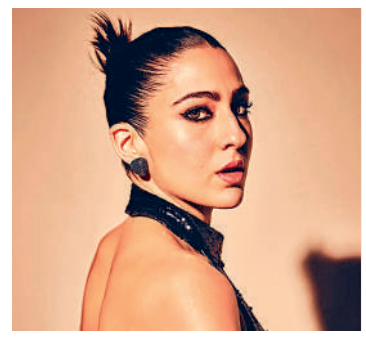

ब्लेंड करें ताकि आंखों पर क्रीज न रहे। फिर इसमें आप चाहें तो शिमर लगा सकती हैं। इससे आंखें और ज्यादा अच्छे से हाईलाइट होगी।

आंखों पर लगाएं लाइनर

आंखों को अच्छे से हाईलाइट करने के लिए आप लाइनर का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप आंखों पर विंग आईलाइनर लगा सकती हैं। इस तरह के मेकअप के साथ ऐसा लाइनर अच्छा लगता है। इसे थोड़ा बोल्ड करके लगाएं।

पैरों के तलवों पर मोटी डेड स्किन के कारण बन जाती है गांठ, घरेलू नुस्खे आएंगे बहुत काम

ऐसा कई बार होता है, जब पैरों के तलवों में डेड स्किन इतनी ज्यादा जम जाती है कि गांठ जैसा महसूस होने लगता है। कई बार तो जूते-चप्पल पहनने पर भी असहज महसूस होता है। ऐसे में कई लोग हाथों से या फिर किसी नुकीली चीज से डेड स्किन को रिमूव करने की कोशिश करने लगते हैं। ऐसे में डेड स्किन रिमूव करने के चक्कर में जख्म तक हो जाता है और चलना फिरना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान होममेड फुट स्क्रब बनाना बताएंगे, जो आपके पैरों की खाल को मुलायम बनाए रखेंगे और इनके इस्तेमाल से डेड स्किन को रिमूव करना भी आसान हो जाएगा।

दूध और शक्कर का फुट स्क्रब

दूध और शक्कर को मिक्स करें और पैरों में जहां भी डेड स्किन की गांठ बन गई है वहां पर स्किन को स्क्रब करें। इसके बाद आप पैरों को कुछ वक्त के लिए गुनगुने पानी में डिप करके बैठें। इसके बाद आप पैरों को बाहर निकालकर प्यूमिक स्टोन से रगड़ें। उसके बाद आप फिर से गुनगुने पानी में पैरों को डालकर साफ

कर सकती हैं। इससे पैरों की सख्त खाल मुलायम हो जाएगी और धीरे अपने आप ही रिमूव हो जाएगी।

शहद और नींबू का फुट स्क्रब

एक चम्मच शहद में एक बड़ा चम्मच नींबू के छिलके का पाउडर मिक्स कर लें। आप घर पर ही यह पाउडर बना सकती हैं। इसके लिए आप नींबू के छिलकों को सुखा लें और फिर उसे मिक्सी में दरदरा पीस लें। फिर इससे पैरों को स्क्रब करें। ऐसा करने से आपके पैरों की न केवल खाल मुलायम होगी बल्कि डेड स्किन रिमूव हो जाएगी और पैरों में यदि टैनिंग है तो वह भी दूर हो जाएगी। आप इस फुट स्क्रब का इस्तेमाल रोज कर सकती हैं।

ऑफिस इवेंट में ले रही हैं हिस्सा तो पहनें वी-नेक डिजाइंस वाले जंपसूट

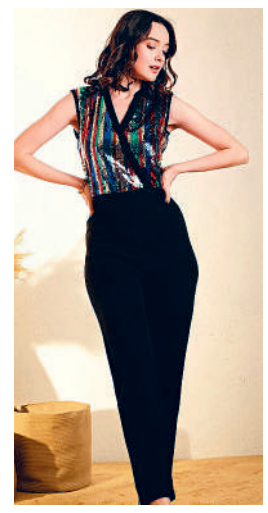

अगर आप किसी ऑफिस इवेंट में हिस्सा ले रही हैं और इस मौके पर स्टाइलिश लुक चाहती हैं तो आप वी-नेक डिजाइंस वाले जंपसूट स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के जंपसूट में जहां आप खूबसूरत नजर आएंगी तो वहीं आपका लुक भी सबसे अलग नजर आएगा। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट वी-नेक वी-नेक डिजाइंस वाले वाले जंपसूट दिखा रहे हैं और इस तरह के वी-नेक डिजाइंस वाले जंपसूट ऑफिस इवेंट या ऑफिस पार्टी में वियर करने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं।

पॉलिएस्टर जंपसूट

स्टाइलिश लुक के लिए आप इस तरह का पॉलिएस्टर जंपसूट का चुनाव कर सकती हैं। जहां ये जंपसूट पॉलिएस्टर फैब्रिक में है तो वहीं ये जंपसूट वी-नेक डिजाइन में आता है साथ ही जंपसूट स्लीवलेस है। ये जंपसूट ऑफिस इवेंट में पहनने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है और इस तरह के जंपसूट को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 1000 से 2000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस तरह के जंपसूट के साथ मोजरी या हील्स स्टाइल कर सकती हैं।

सेक्विन वर्क जंपसूट

इस तरह का सेक्विन वर्क जंपसूट भी आप ऑफिस के किसी खास इवेंट के दौरान स्टाइल कर सकती हैं। यह जंपसूट पॉलिएस्टर फैब्रिक में है और इसमें सेक्विन वर्क किया हुआ है। वहीं इस तरह के सेक्विन वर्क जंपसूट में जहां आप स्टाइलिश नजर आएंगी तो वहीं अपक लुक भी सबसे अलग नजर आएगा। इस सेक्विन वर्क जंपसूट को बाजार से खरीद सकती हैं साथ ही ऑनलाइन प्लेटफार्म पर भी आपको ये सेक्विन वर्क जंपसूट 1500 से 3000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस सेक्विन वर्क जंपसूट के साथ फ्लैट्स या फिर जूती पहन सकती हैं।

कार्नर न्यूज

ओवरसाइज कपड़े पहनने का ट्रेंड पिछले कुछ दिनों में खूब चल रहा

परफेक्ट लुक के लिए नौजवान अपना रहे ओवरसाइज ट्रेंड, याद रखें कुछ जरूरी टिप्स

ओवरसाइज कपड़े पहनने का ट्रेंड पिछले कुछ दिनों में खूब चल रहा है। ये ट्रेंड हिप-हॉप फैशन के साथ ही आया है और कॉलेज गोअर्स के बीच खूब पसंद किया जा रहा है। अब तो बड़े-बड़े स्टार्स भी इस ट्रेंड को फॉलो कर रहे हैं। दरअसल इसमें आराम भी मिलता है और स्टाइलिंग भी हो जाती है। ओवरसाइज टी-शर्ट तो काफी स्मार्ट दिखती हैं साथ में ऐसी शर्ट भी काफी अच्छी लगती है। पुरुष ओवरसाइज पैंट भी खूब पहनते हैं और जींस भी। लेकिन ये ट्रेंड किसी पर भी कभी भी अच्छा लगे ये जरूरी नहीं है। बल्कि कई बातें ध्यान रखनी होती हैं, जो ओवरसाइज ट्रेंड को परफेक्टली फॉलो करने में आपकी मदद करती हैं।

मौका क्या है?

मौका क्या है? ओवरसाइज ट्रेंड को पहनते हुए सबसे बड़ा सवाल यही होता है। दरअसल ये ऐसा ट्रेंड नहीं है, जिसे कभी भी पहना जा सके। इसको खास मौकों पर ही पहना जा सकता है।

ओवरसाइज हो, बड़ा नहीं

ओवरसाइज फैशन में हाथ आजमाना है तो आपको साइज का ही ध्यान रखने की जरूरत होती है। इसमें आपको जरूरत से ज्यादा बड़ी ड्रेस नहीं बल्कि ओवरसाइज ड्रेस ही लेनी है। मतलब ऐसा न हो कि ओवरसाइज के चक्कर में आप अपने साइज से कई साइज बड़े कपड़े ले लें।

.कंधे और कमर पर ओवरसाइज

याद रखिए कपड़े ओवरसाइज ही लेने का एक तरीका ये है कि इनके कंधे और कमर देखिए। ये दोनों अगर ओवरसाइज हैं तो समझिए आप सही कपड़े चुन रहे हैं। वरना ऐसा लगेगा मनो आपके कपड़े हैंगर पर टंगे हैं।

बैलेंस है जरूरी

ओवरसाइज कपड़ों के साथ बैलेंस बहुत जरूरी है। जैसे आप ओवरसाइज कोट के साथ ओवरसाइज पैंट नहीं पहन सकते हैं। बल्कि आपको ओवरसाइज कोट के साथ फिटेड पैंट पहननी चाहिए। लेकिन ये सुपर स्किनी नहीं होनी चाहिए।